राष्ट्रीय सरोकारों से परिपूर्ण समाचार पत्र

मासिक समाचार पत्र

अतुल्य लोकतंत्र

Postal REGN. : L-2/Faridabad/330/2022-24

Email : atulyaloktantra09@gmail.com

Page-04

वर्ष : 08 | अंक : 02 | फरीदाबाद, अप्रैल , 2023 | संपादक : दीपक कुमार शर्मा | RNI NO. HARBIL/2016/74676 | Mob.: 9899222656, 857791656 | मूल्य : 15 रुपए | पृष्ठ : 8

एनकाउंटर पर सवाल उठते आए है?

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

जिस तरह हर सिक्के के दो पहलू होते हैं उसी तरह कुछ एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के घमंड और कभी-कभी उसके भ्रष्टाचार के चलते हर पुलिस एनकाउंटर को शक की निगाह से ही देखा जाता है। ख़ासकर जब राजनीतिक प्रतिद्वंदियों के पाले हुए गुंडों का एंकाउंटर होता है तब तो जनता के मन में ऐसे ही सवाल उठते हैं कि ऐसे सभी एनकाउंटर फ़र्ज़ी होते हैं। परंतु सच्चाई तो जाँच के बाद ही सामने आती है। उत्तर प्रदेश के व्यापारी आजकल कहते हैं कि योगी राज में मुसलमानों का आतंक ख़त्म हो गया है। इसलिए माफिया डॉन अतीक अहमद के बेटे असद अहमद की एनकाउंटर में मौत का समाचार उन लोगों को सही लगा। मैं एनकाउंटर के विषय में कुछ तथ्य और क़ानूनी पेचीदगियों का ज़िक्र इस लेख में आगे करूँगा। पर यहाँ एक सवाल जो समाजवादी पार्टी ने उठाया है वह भी महत्वपूर्ण है। वो यह कि स्थानिय चुनावों के पहले ही इस एनकाउंटर का क्या अर्थ निकला है? सिवाय इसके कि इस एनकाउंटर की खबर को दिन-रात टीवी चैनलों पर चलवाकर इसका फ़ायदा योगी सरकार को अगले महीने होने वाले निकायों के चुनावों में मिले। इसलिये सरकार की नीयत पर शक होता है। क़ानून की नज़र में सब बराबर होने चाहिए। किसी अपराधी का कोई जाति या धर्म नहीं होता। इसलिए बिना भय और पक्षपात के अगर प्रदेश के माफ़ियाओं के विरुद्ध योगी सरकार कड़े कदम उठाती है तो उसका स्वागत ही होगा। पर ऐसे कदम सब अपराधियों पर एक समान उठाए जाने चाहिए, जो आज नहीं हो रहा है। हत्या, बलात्कार और पुलिस उत्पीड़न के शिकार कितने ही लोगों को न्याय नहीं मिल रहा। फ़रियादी हताश होकर आत्महत्या तक कर रहे हैं ऐसी खबरें अक्सर सामने आती रहती है। उत्तर प्रदेश के एक विशेष जाति के माफ़ियाओं की सूची आज कल सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें योगी सरकार से पूछा जा रहा है कि इन माफ़ियाओं के विरुद्ध आजतक 'बुलडोज़रनुमा' कार्यवाही क्यों नहीं हुई? उनमें से किसी का एनकाउंटर क्यों नहीं होता? उत्तर प्रदेश सरकार की इस नीति के विरुद्ध भी बहुत लोगों को आक्रोश है। एनकाउंटर उमेश पाल की हत्या के आरोपियों का हो या किसी अन्य का जब भी उस पर सवाल उठते हैं तो मामला जाँच कमेटी के पास पहुँचता है। आपको याद होगा कि कुछ ही समय पहले नवंबर 2019 में तेलंगाना राज्य के हैदराबाद में हुए गैंगरेप और हत्या के चार अभियुक्तों के संदिग्ध एनकाउंटर को सर्वोच्च न्यायालय की जाँच समिति ने फ़र्ज़ी पाया। जाँच समिति द्वारा

इन पुलिसवालों पर हत्या का मुक़द्दमा चलाने की सिफ़ारिश भी की गई। पाठकों को याद होगा कि जब यह एनकाउंटर हुआ था, तब लोगों ने पुलिस का समर्थन करते हुए भारी जश्न मनाया था। जैसा असद व अन्य आरोपियों के एनकाउंटर पर भी हो रहा है। वहीं दूसरी ओर हमेशा की तरह पुलिस एनकाउंटर पर तमाम सवाल भी खड़े हो रहे हैं। प्रायः ऐसा मान लिया जाता है कि पुलिस द्वारा किए गए एनकाउंटर फ़र्ज़ी ही होते हैं। एनकाउंटर कब और कैसे होते हैं इस बात पर कोई विशेष ध्यान नहीं देता। क़ानून की बात करें तो देश में मौजूद भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और दण्ड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) दोनों में ही एनकाउंटर का कोई भी ज़िक्र नहीं है। तो फिर सवाल उठता है कि पुलिस एनकाउंटर आखिर है क्या? यदि कोई भी पुलिसकर्मी आत्मरक्षा में सामने वाले पर गोली चलाता है तो उसे सामान्य भाषा में एनकाउंटर माना जाता है। तो क्या पुलिस किसी भी अपराधी पर आत्मरक्षा में गोली चला सकती है? नहीं ऐसा नहीं है। जब कभी भी पुलिस को किसी अपराधी के बारे में सूचना मिलती है और वह उसे गिरफ़्तार करने जाती है, तो अगर वो अपराधी आत्मसमर्पण कर देता है तब पुलिस उस पर बल प्रयोग नहीं कर सकती। यदि कोई कुख्यात अपराधी, जिसे उम्र क़ैद या उससे ज़्यादा सज़ा हो सकती है और वो गिरफ़्तारी से बचने के लिए भागने का प्रयास करता है और पुलिस उसे पकड़ नहीं पाती, तो उस सूरत में पुलिस उसे ज़ख़्मी करने की नियत से उसके शरीर के किसी भी हिस्से में गोली मार सकती है। प्रायः ये गोली उसकी टांगों में मारी जाती है। जिससे वह ज़्यादा दूर न भाग सके और उसे गिरफ़्तार कर लिया जाए। यदि ऐसे किसी अपराधी के पास कोई जान लेवा हथियार होता है और वो पुलिस पर वार करता है, तो केवल उस सूरत में पुलिस उस पर आत्मरक्षा में गोली चला सकती है। मुंबई पुलिस के बहुचर्चित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक और प्रदीप शर्मा से जब किसी पत्रकार ने पूछा कि मुंबई में अपराधियों की सफ़ाई के लिए आप दोनो को ही श्रेय दिया जाता है तो, उनका कहना था कि, ÷हम तो अपराधियों को पकड़ने के लिए ही जाते हैं, लेकिन वो जब हम पर वार करते हैं तो हमें भी पलटवार करना पड़ता है।÷ अपराधियों को भी पता है कि यदि वो पुलिस के हत्थे चढ़े तो कई सालों तक जेल के बाहर नहीं आएँगे। इसलिए इन सब से बच कर भागने के प्रयास में वे पुलिस की गोली का शिकार हो जाते हैं। उनके अनुसार 97-98 में जब मुंबई में गैंगस्टरों का आतंक चरम पर था तब सरकार कड़े क़ानून ले कर आई। अपराधी इन्हीं कड़े क़ानूनों से बचने की पुरज़ोर कोशिश में मारा जाता है। इसी के बाद से मुंबई के अंडरवर्ल्ड में एनकाउंटर का भय बढ़ने लगा। कारण चाहे कुछ और भी रहे हों पर मुंबई में गैंगस्टरों का आतंक थमने लगा। पुलिस एनकाउंटर को बॉलीवुड की कई फ़िल्मों में भी दिखाया गया हैं। जहां ज़्यादातर एनकाउंटर को ऐसे दर्शाया जाता है कि भले ही वो एनकाउंटर फ़र्ज़ी हो, लेकिन जाँच में असली ही पाया जाए। लेकिन यदि किसी भी एनकाउंटर की योजना ग़लत नीयत से की जाती है तो वो आज नहीं तो कल पकड़ा ही जाता है।

● एनकाउंटर जोखिम भरा होता है और ऐसा जोखिम हर कोई नहीं ले सकता। उसके लिए हथियारों को सही ढंग से चलाना और सामने वाले से बेहतर निशाना लगाना आना चाहिए। परंतु ऐसे एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रायः विवादों में भी घिरे रहते हैं। जिस तरह हर सिक्के के दो पहलू होते हैं उसी तरह कुछ एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के घमंड और कभी-कभी उसके भ्रष्टाचार के चलते हर पुलिस एनकाउंटर को शक की निगाह से ही देखा जाता है। ख़ासकर जब राजनीतिक प्रतिद्वंदियों के पाले हुए गुंडों का एंकाउंटर होता है तब तो जनता के मन में ऐसे ही सवाल उठते हैं कि ऐसे सभी एनकाउंटर फ़र्ज़ी होते हैं। परंतु सच्चाई तो जाँच के बाद ही सामने आती है।

इस बात के कई प्रमाण भी हैं जहां फ़र्ज़ी एनकाउंटर करने पर पुलिस वालों को सज़ा भी हुई है। इसका मतलब यह नहीं होता कि सभी एनकाउंटर फ़र्ज़ी होते हैं। जनता में पुलिस पर विश्वास की कमी होने के कारण ऐसी धारणा बन जाती है की ज़्यादातर एनकाउंटर फ़र्ज़ी होते हैं। एक पूर्व आईपीएस अधिकारी ने दिल्ली में 2008 के बाटला हाउस एनकाउंटर का हवाला देते हुए बताया कि, पुलिस को ज़्यादातर मामलों में इस बात का पता होता है कि वो जहां गिरफ़्तारी करने जा रही हैं वहाँ कितना ख़तरा हो सकता है। ऐसे एनकाउंटर को एक सुनियोजित एनकाउंटर कहा जाता है। ऐसे एनकाउंटर में पुलिस की टीम पूरी तैयारी के साथ जाती है। बाटला हाउस में सब जानकारी के बावजूद दिल्ली पुलिस के एक बहादुर अफ़सर मोहन चंद शर्मा शहीद हुए थे। पुलिस एनकाउंटर में काफ़ी ख़तरा होता है। पुलिसकर्मी भी घायल होते हैं, परंतु ऐसा मान लेना कि सभी एनकाउंटर फ़र्ज़ी होते हैं सही नहीं। दोषियों को सज़ा देना अदालत का काम होता है न कि पुलिस का। लेकिन पुलिसकर्मी यदि आत्मरक्षा में गोली चलाता है तो उसे हमेशा ग़लत नहीं समझना चाहिए। एनकाउंटर करने के लिए जिन अनुभवी पुलिसकर्मियों को चुना जाता है, उन्हें एनकाउंटर स्पेशलिस्ट कहा जाता है।

विपक्ष की एकता

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

अजूबा तभी होगा, जब प्रतिपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं के चेहरे यक-सां होने के साथ-साथ उन सभी के ज़मीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के मन भी आपस में घुलमिल जाएं। क्या यह आसान होगा? क्या पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, मार्क्सवादी पार्टी और कांग्रेस के जन-जन एक-दूसरे के लिए रूह-अफ़ज़ा हो पाएंगे? क्या उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस के पट्ठे गलबहियां कर घूमने लगेंगे? क्या केरल में वाम दलों और कांग्रेस के धरतीपुत्र मिलजुल कर चुनावी खेत में हल चला लेंगे? कांग्रेस-अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व-अध्यक्ष राहुल गांधी से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मुलाकात के बाद विपक्षी एकता की कोशिशें ठोस आकार लेती तो दिखाई देने लगी हैं, लेकिन इस मिलन की तसवीरों को देख कर अभी से फुदकना शुरू कर देने वाली कांग्रेस की लिपिक-टोली को यह बताना ज़रूरी है कि दिल्ली अभी उतनी ही दूर है, जितनी 2019 में थी। यह अलग बात है कि दिल्ली नरेंद्र भाई मोदी से भी अब दिन-ब-दिन दूर होती जा रही है और वे 2024 में उसे गप्प से गटकने की स्थिति में नहीं हैं, मगर इतनी कूवत उन में एक बरस बाद भी बनी रहेगी कि वे दिल्ली को अपने अदरक-पंजों से पूरी तरह बाहर न जाने दें। 2014 में वे जिस तरह दनदनाते हुए रायसीना-पहाड़ी पहुंचे थे, 2024 में उन्हें उसी तरह सनसनाते हुए इस पहाड़ी से नीचे ठेल देने लायक हैसियत विपक्ष की अभी नहीं हुई है। बचे बारह महीने में अगर हो जाए तो वह विलक्षण चमत्कार होगा। विपक्षी एकता की राह में कई घुमावदार मोड़ अभी बाकी हैं। बंद-कमरा बातचीत में हालांकि

● कांग्रेस-अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व-अध्यक्ष राहुल गांधी से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मुलाकात के बाद विपक्षी एकता की कोशिशें ठोस आकार लेती तो दिखाई देने लगी हैं, लेकिन इस मिलन की तसवीरों को देख कर अभी से फुदकना शुरू कर देने वाली कांग्रेस की लिपिक-टोली को यह बताना ज़रूरी है कि दिल्ली अभी उतनी ही दूर है, जितनी 2019 में थी।

नीतीश ने राहुल-खड़गे को भरोसा दिलाया है कि वे ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल को विपक्ष की बेलबूटी-जाजम पर सब के साथ बिठा देंगे, मगर क्या वे सचमुच ऐसा कर पाएंगे? तेजस्वी ने भी अखिलेश यादव को इस दस्तरख़ान तक ले आने का विश्वास राहुल के सामने ज़ाहिर किया है, लेकिन वे इस में कितने कामयाब होंगे, मालूम नहीं। ममता, केजरीवाल और अखिलेश को अगर नीतीश-तेजस्वी ने विपक्ष के सफ़र में कांग्रेस का साथी बना दिया, तब तो समझ लीजिए कि आगामी आम चुनाव का भवसिंधु दो तिहाई से ज़्यादा पार हो गया। शरद पवार, उद्धव ठाकरे, एम. के. स्टालिन और वाम दल पहले से साथ हैं। मायावती और के. चंद्रशेखर राव सरीखों ने अगर अपना बखेड़ा समेट लिया तो 2024 की गर्मियों में आप एक अद्भुत करिश्मा घटता हुआ देख भी सकते हैं। मगर यह अजूबा तभी होगा, जब प्रतिपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं के चेहरे यक-सां होने के साथ-साथ उन सभी के ज़मीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के मन भी आपस में घुलमिल जाएं। क्या यह आसान होगा? क्या पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, मार्क्सवादी पार्टी और कांग्रेस के जन-जन एक-दूसरे के लिए रूह-अफ़ज़ा हो पाएंगे? क्या उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस के पट्ठे गलबहियां कर घूमने लगेंगे? क्या केरल में वाम दलों और कांग्रेस के धरतीपुत्र मिलजुल कर चुनावी खेत में हल चला लेंगे? क्या अभी-अभी राष्ट्रीय पार्टी बनने से गदगद आम आदमी पार्टी के आम-जन अपनी विस्तारवादी ललक को निस्पृह भाव से विपक्षी एकजुटता के हवनकुंड के हवाले कर देंगे? सो, नरेंद्र भाई की शक्ल से मुक्ति पाने के जज़्बा ले कर हमराही बनने वाली एकाध दर्जन शिखर-शक्लें जब तक अपने-अपने अंत्यजन को भी इसी भाव में सराबोर न कर दें, दिल्ली कैसे पास आएगी? 'तुम चंदन, हम पानी' की ये भावलहरियां पैदा करना क्या इतना आसान है? इसलिए बावजूद इसके कि कांग्रेस विपक्ष की लाटसाहबी की ललक को तिलांजलि भी दे दे, राहुल गांधी मौका मिलने पर भी प्रधानमंत्री बनने से आज ही इनकार भी कर दें और कांग्रेस कहीं-कहीं नुकसान उठा कर भी एकता-प्रयासों के सात फेरे ले ले; विपक्षी दल वह गोंद कहां से लाएंगे, जो उनके अंतिम कतार की तमाम कतरनों को एक बड़े फलक पर ईमानदारी से चस्पा कर दे? अगर ऐसा नहीं होगा तो नरेंद्र भाई अट्टहास करते हुए संदूक फाड़ कर फिर बाहर आ जाएंगे। उनके हाथ-पांव बांधने वाली ज़ंजीर अगर कच्चे लोहे से बनी होगी तो उसे चटकाना वे बखूबी जानते हैं। इसलिए सारा दारोमदार इस पर है कि प्रतिपक्ष के पास हर स्तर पर कितना इस्पाती इरादा है।

भारत की वृद्धि की दर

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

तमाम चुनौतियों के बावजूद भारत के सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बने रहने के संकेत आ रहे हैं। वैश्विक प्रभावों के बरक्स अपनी स्थितियों के मद्देनजर नीतिगत फैसलों के जरिए संकट का सामना करना इसकी वजह रही है। कई बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो हालात पैदा होते हैं, उसका असर कमोबेश तमाम देशों पर पड़ता ही है। हालांकि आर्थिक वृद्धि दर के मामले में भारत के रिकार्ड को देखते हुए उम्मीद की जा रही थी कि आने वाले दिनों में इसका आंकड़ा छह फीसद से ज्यादा रहेगा। मगर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आइएमएफ ने अपने एक ताजा आकलन में चालू वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.1 फीसद से घटा कर 5.9 फीसद कर दिया है। कहा जा सकता है कि यह कोई बहुत बड़ा फेरबदल नहीं है, लेकिन आर्थिकी के ढांचे में इतना या इससे भी कम बिंदुओं पर आने वाले फर्क का अर्थव्यवस्था की समग्र तस्वीर पर व्यापक असर पड़ सकता है। हालांकि इस मामले में यह स्थिति अकेले भारत को लेकर नहीं है। आइएमएफ की ओर से वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को लेकर जनवरी में अनुमान लगाया गया था कि 2024-25 के लिए वृद्धि अनुमान दर 6.8 फीसद रहेगा। लेकिन अब उस पूर्वानुमान को घटा कर 6.3 फीसद कर दिया गया है। जाहिर है, दुनिया भर में

● जहां तक भारत का सवाल है, आइएमएफ ने आंकड़ों में भारत में आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट की बात तो कही है, इसके बावजूद उसका कहना है कि यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। इससे यही पता चलता है कि अगर कोई देश बुनियादी रूप से अपनी जमीन मजबूत रखता है तो उसे अचानक उपजे उथल-पुथल का सामना करने में भी मदद मिलती है। जिस तरह के आर्थिक झटकों से उबरना दूसरे देशों के लिए कई बार बेहद मुश्किल हो जाता है, उसमें भी भारत न केवल हालात का सामना करता है, बल्कि अपनी रफ्तार को स्थिर बनाए रखने में भी कामयाब रहता है।

उत्पादन और सेवाओं में उपज रही चुनौतियों के मद्देनजर आर्थिक मोर्चे पर जो उतार-चढ़ाव आ रहे हैं, उसी की पृष्ठभूमि से मंदी के संकेत भी सामने आ रहे हैं। इस वैश्विक उथल-पुथल से शायद चाह कर भी कोई देश अछूता नहीं रह सके। जहां तक भारत का सवाल है, आइएमएफ ने आंकड़ों में भारत में आर्थिक वृद्धि दर में गिरावट की बात तो कही है, इसके बावजूद उसका कहना है कि यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। इससे यही पता चलता है कि अगर कोई देश बुनियादी रूप से अपनी जमीन मजबूत रखता है तो उसे अचानक उपजे उथल-पुथल का सामना करने में भी मदद मिलती है। जिस तरह के आर्थिक झटकों से उबरना दूसरे देशों के लिए कई बार बेहद मुश्किल हो जाता है, उसमें भी भारत न केवल हालात का सामना करता है, बल्कि अपनी रफ्तार को स्थिर बनाए रखने में भी कामयाब रहता है। लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर रोजगार के मोर्चे पर मौजूदा स्थिति बनी रही, बड़ी तादाद में लोगों की क्रयशक्ति में लगातार आ रही गिरावट की वजह से मांग में नरमी बनी रही, तो इससे बाजार में प्रदर्शन में कमजोरी आएगी। जाहिर है, इसका सीधा असर उत्पादन में गिरावट और उसके मुताबिक भारत की आर्थिक वृद्धि दर पर पड़ेगा। यह दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर सकता है। गौरतलब है कि इससे पहले फरवरी के आखिर में भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की ओर से भी देश की कमजोर आर्थिक वृद्धि दर को लेकर चिंता जताई गई थी। अगर इसमें सुधार के उपाय नहीं किए गए तो यह स्थिति बढ़ते श्रमबल की जरूरतों को पूरा करने लिए पर्याप्त नहीं रहेगी। साथ ही, पिछले कुछ समय से ब्याज दर ऊंचा होने के कारण ऋणों की मासिक किस्त में बढ़ोतरी हो गई है। स्वाभाविक ही इसका प्रभाव आम परिवारों के रोजमर्रा के खर्चों पर पड़ा है और मांग में गिरावट आई है। यानी अगर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं की मांग के मामले में यह स्थिति नहीं सुधरी तो चिंता और बढ़ सकती है।

आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद छोटे उद्यम

अनुमानतः 6.31 करोड़ सूक्ष्म उद्यमों में 10.8 करोड़ व्यक्ति कार्यरत हैं, जो उद्योग में कुल रोजगार का लगभग सत्तानबे फीसद है। एमएसएमई क्षेत्र की 3.31 लाख लघु तथा 0.05 लाख मध्यम आकार की इकाइयों में क्रमशः 32 लाख (2.88 फीसद) तथा 1.8 लाख (0.16 फीसद) लोगों को रोजगार प्राप्त है। एमएसएमई क्षेत्र में नगरों में प्राप्त रोजगार की कुल संख्या 6.12 करोड़ है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार की संख्या 4.98 करोड़ से अधिक है। एमएसएमई क्षेत्र में रोजगार का वितरण लिंगानुसार देखने पर पता चलता है कि तीन चौथाई से अधिक, 8.5 करोड़ पुरुषों को एमएसएमई क्षेत्र में रोजगार प्राप्त है, जबकि 2.7 करोड़ महिलाओं को, जो कि इस क्षेत्र में कुल श्रमबल के एक चौथाई से कम हैं।

स्वतंत्रता के बाद से लघु, सूक्ष्म और मझोले उद्योग एक लंबा सफर तय कर चुके हैं, पर भारत के औद्योगीकरण में एमएसएमई का योगदान कभी एक-सा नहीं रहा है। शुरुआती दशकों में एमएसएमई क्षेत्र की उच्च रोजगार क्षमता को देखते-समझते हुए भी, उनकी भूमिका को सही ढंग से पहचाना नहीं जा सका। जबकि एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए तेज और विशेष प्रयास की जरूरत थी। नए भारत में आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद एमएसएमई क्षेत्र ही बन सकता है। आजादी के समय भारतीय अर्थव्यवस्था गरीबी, बेरोजगारी, प्रतिव्यक्ति निम्न आय, निरक्षरता और औद्योगिक पिछड़ेपन की जकड़ में थी। यह स्वीकृत तथ्य है कि औद्योगीकरण के जरिए आर्थिक विकास की मजबूत बुनियाद पर बेहतर सामाजिक-आर्थिक लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। दो हजार वर्षों से अधिक का भारतवर्ष का गौरवशाली आर्थिक संपन्नता का इतिहास दरअसल, लघु उद्योगों के रूप में उद्यमिता, हस्तशिल्प और कौशल की परंपरा ही थी। भारत में नियोजन के शुरुआती दौर में लघु उद्योगों को नजरंदाज कर, बड़े उद्योगों के जरिए औद्योगिक विकास की कोशिशें हुईं, तो उसके अच्छे नतीजे भी दिखे। बाद में उदारीकरण तथा वैश्वीकरण के कारण बाजारवाद, निजीकरण और प्रतिस्पर्धी माहौल भी सामने आया। बड़े और भारी उद्यागों की सीमाएं भी दिखीं। गरीबी, बेरोजगारी और मुद्रास्फीति के मामलों में विफल साबित हुए। अनुकूल पूंजी-उत्पाद अनुपात तथा रोजगार की ऊंची संभावनाएं लघु उद्योगों की महत्त्वपूर्ण विशेषता है। शायद बहुत देर से औद्योगिक विकास में लघु उद्योगों की भूमिका को पहचानते हुए, इसके विकास की कोशिशें हुईं। समझना होगा कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की संकल्पना में इसे रफ्तार देने की जरूरत है। लघु उद्योग, आर्थिक विकेंद्रीकरण कर आय तथा संपत्ति की असमानताओं के साथ-साथ भौगोलिक असंतुलन को कम करते हैं। उपभोक्ताओं को विविधता और विकल्प उपलब्ध कराते हैं। स्थानीय ज्ञान और कौशल, कलात्मकता का कम पूंजी के साथ उपयोग करते हैं, साथ ही बड़े उद्योगों के सहायक उद्यम का भी कार्य करते हैं। भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों यानी एमएसएमई को 'विकास का इंजन' और 'अर्थव्यवस्था का पावरहाउस' जैसे विशेषणों से नवाजा जाता है। समावेशी विकास में शायद सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका एमएसएमई क्षेत्र की हो सकती है। आज भारत में सवा छह करोड़ से अधिक एमएसएमई इकाइयों में ग्यारह करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त है। एमएसएमई की जीडीपी में तीस फीसद तथा निर्यात में अड़तालीस फीसद से अधिक योगदान के साथ आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका है। एमएसएमई कुल औद्योगिक इकाइयों में पंचानबे फीसद से अधिक हिस्से के साथ भारत की सामाजिक-आर्थिक प्रगति की बुनियाद है। भारतीय अर्थव्यवस्था में एमएसएमई क्षेत्र की लगभग 6.34 करोड़ इकाइयों में से विनिर्माण क्षेत्र की इकाइयों का जीडीपी में 6.11 फीसद, सेवा क्षेत्र की इकाइयों का जीडीपी में 24.63 फीसद तथा सकल विनिर्माण उत्पादन में 33.4 फीसद योगदान है। एमएसएमई क्षेत्र ग्यारह करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करने के साथ भारत के कुल निर्यात में लगभग अड़तालीस फीसद योगदान करता है। लगभग इक्यावन

फीसद एमएसएमई इकाइयां ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं, जिनमें बड़ी संख्या में ग्रामीण कार्यबल को संयोजित होने का अवसर उपलब्ध होता है। कुल एमएमएमई उद्यमों में निन्यानबे फीसद से अधिक सूक्ष्म उद्यम हैं। समावेशी विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन में इनकी विशेष भूमिका है। भारत में विशाल असंगठित कार्यबल को देखते हुए रोजगार की दृष्टि से एमएमएमई क्षेत्र की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। मगर पिछले कुछ वर्षों से एमएसएमई क्षेत्र लगातार अनेक प्रकार की गंभीर समस्याएं झेल रहा है। एशियाई विकास बैंक के अनुसार कोरोना महामारी के दौरान इस क्षेत्र में रोजगार तथा विक्रय राजस्व में काफी गिरावट आई। कच्चे माल की लागतों में तीस से पचास फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि यह क्षेत्र महामारी से पूर्व के स्तर तक पहुंचने को अब भी प्रयासरत है। अधिकांश एमएसएमई के पास लागतों में बढ़ोतरी की भरपाई करने के लिए पर्याप्त पूंजी नहीं है। बावजूद इसके, एमएसएमई क्षेत्र भारत के आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए औद्योगीकरण की ओर बढ़ रहा है। एमएसएमई क्षेत्र वैश्विक बाजार, डिजिटल कौशल विकास तथा किफायती उद्यम प्रौद्योगिकी के माध्यम से वैश्विक प्रतिस्पर्धी बाजार में खुद को स्थापित करने को तत्पर है। एमएसएमई क्षेत्र का विकास भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी जरूरत है, जो इसे वैश्विक आर्थिक संकटों तथा प्रतिकूलताओं को झेलने में ताकत तथा जुझारूपन प्रदान करता है। देश भर में इक्यावन फीसद एमएसएमई इकाईयां ग्रामीण क्षेत्रों में हैं और बाकी उनचास फीसद नगरीय क्षेत्रों में स्थित हैं। यानी, लगभग सवा तीन करोड़ ग्रामीण क्षेत्रों में तथा शेष 3.09 करोड़ इकाइयां नगरीय क्षेत्र में स्थापित हैं। सर्वाधिक 2.3 करोड़ एमएसएमई इकाइयां व्यापार में लगी हुई हैं। विनिर्माण क्षेत्र में लगभग 1.97 करोड़ एमएसएमई इकाइयां उत्पादक कार्यों के माध्यम से अर्थव्यवस्था के औद्योगिक विकास में योगदान कर रही हैं। इस क्षेत्र की अस्सी फीसद इकाइयां पुरुषों के स्वामित्व में हैं और इसके मात्र पांचवें हिस्से का स्वामित्व महिलाओं के पास है। एमएसएमई इकाइयों में से लगभग आधे पर स्वामित्व ग्रामीण तथा नगरीय दोनों क्षेत्रों में अन्य पिछड़े वर्ग का है, जबकि अन्य के स्वामित्व में लगभग एक तिहाई है। अनुसूचित जाति के स्वामित्व में 12.45 फीसद तथा अनुसूचित जनजाति के स्वामित्व में मात्र 4.10 फीसद एमएसएमई इकाइयां हैं। सबसे खराब स्थिति अनुसूचित जनजाति की है, विशेषकर नगरीय क्षेत्र में मात्र 1.43 फीसद एमएसएमई इकाइयों का मालिकाना हक यानी उनका संचालन अनुसूचित जनजाति के हाथों में हैं। एमएसएमई इकाइयों के बढ़ते आकार के साथ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा ओबीसी का हिस्सा घटता हुआ है। मध्यम आकार की एमएसएमई इकाइयों में ओबीसी का स्वामित्व 23.85 फीसद, अनुसूचित जनजाति का 1.09 फीसद तथा अनुसूचित जनजाति का अमूमन शून्य है। सूक्ष्म तथा लघु एमएसएमई के जरिए औद्योगीकरण को बढ़ावा देकर न केवल असंगठित क्षेत्र में रोजगार की दशा और दिशा सुधारी जा सकती है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक असमानता को भी कम किया जा सकता है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण तथा एमएसएमई वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 के आंकड़ों के अनुसार, एमएसएमई क्षेत्र में कुल 11.10 करोड़ रोजगार में से विनिर्माण में 3.6 करोड़, व्यापार में 3.88 करोड़ तथा अन्य क्षेत्रों में 3.62 करोड़ लोग रोजगार में लगे हैं। अनुमानतः 6.31 करोड़ सूक्ष्म उद्यमों में 10.8 करोड़ व्यक्ति कार्यरत हैं, जो उद्योग में कुल रोजगार का लगभग सत्तानबे फीसद है। एमएसएमई क्षेत्र की 3.31 लाख लघु तथा 0.05 लाख मध्यम आकार की इकाइयों में क्रमशः 32 लाख (2.88 फीसद) तथा 1.8 लाख (0.16 फीसद) लोगों को रोजगार प्राप्त है। एमएसएमई क्षेत्र में नगरों में प्राप्त रोजगार की कुल संख्या 6.12 करोड़ है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार की संख्या 4.98 करोड़ से अधिक है। एमएसएमई क्षेत्र में रोजगार का वितरण लिंगानुसार देखने पर पता चलता है कि तीन चौथाई से अधिक, 8.5 करोड़ पुरुषों को एमएसएमई क्षेत्र में रोजगार प्राप्त है, जबकि 2.7 करोड़ महिलाओं को, जो कि इस क्षेत्र में कुल श्रमबल के एक चौथाई से कम हैं। रोजगार में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की सख्त जरूरत है। स्वतंत्रता के बाद से लघु, सूक्ष्म और मझोले उद्योग एक लंबा सफर तय कर चुके हैं, पर भारत के औद्योगीकरण में एमएसएमई का योगदान कभी एक-सा नहीं रहा है। शुरुआती दशकों में एमएसएमई क्षेत्र की उच्च रोजगार क्षमता को देखते-समझते हुए भी, उनकी भूमिका को सही ढंग से पहचाना नहीं जा सका। शायद भारतीय अर्थव्यवस्था में उनके महत्त्व को समझा ही नहीं जा सका। जबकि एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए तेज और विशेष प्रयास की जरूरत थी। नए भारत में आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद एमएसएमई क्षेत्र ही बन सकता है। भारत के असंगठित क्षेत्र को सामाजिक-आर्थिक विकास का हिस्सा बनाने के लिए भी एमएसएमई क्षेत्र की भूमिका को आगे बढ़ाने की सख्त जरूरत है।

संपादकीय

छूट की सीमा

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने में उसकी ओर से बिजली मुफ्त मुहैया कराए जाने के वादे ने बड़ी भूमिका निभाई थी। इस मुद्दे पर पार्टी को जनता के एक बड़े हिस्से का समर्थन मिला था। इस पर काफी हद तक अमल भी हुआ, जिसका फायदा दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों को मिला। हालांकि इस मसले पर अनेक सवाल उठे थे कि मुफ्त बिजली की योजना की वजह से राजस्व पर पड़ने वाले बोझ की भरपाई कैसे होगी। लेकिन बीते कई साल से यह नीति लागू रही। अब अलग-अलग कारणों से इस मामले में जिस तरह की खींचतान शुरू हो गई है, उससे जनता के बीच इस सुविधा के जारी रहने को लेकर स्वाभाविक ही आशंका खड़ी हो गई है। दरअसल, हाल ही में दिल्ली सरकार ने दावा किया कि चूंकि उपराज्यपाल ने फाइल पर हस्ताक्षर करके नहीं भेजा, इसलिए उपभोक्ताओं को बिना सबसिडी वाली बिजली नहीं मिलेगी। एक तरह से दिल्ली सरकार की ऊर्जा मंत्री ने उपराज्यपाल पर यहां के छियालीस लाख परिवारों को मिलने वाली बिजली सबसिडी रोकने का आरोप लगाया। जाहिर है, इसके बाद यह मसला राजनीतिक खींचतान और आरोप-प्रत्यारोप में तब्दील हो गया। फाइल रोके जाने की खबर के कुछ समय बाद ही चूंकि उपराज्यपाल की ओर से इसकी मंजूरी मिलने की खबर आ गई थी, इसलिए इस मामले को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा ने एक-दूसरे पर जनता को सुविधाओं से वंचित करने का आरोप लगाया। लेकिन अब जिस तरह उपराज्यपाल ने एक पत्र के माध्यम से दिल्ली सरकार के आरोपों को झूठा बताते हुए उसके प्रमाण मांगे हैं और ऐसा न करने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है, उससे यही लग रहा है कि इस मसले पर दोनों पक्षों के बीच टकराव फिलहाल खत्म नहीं हुआ है। सवाल है कि सरकार में होने के बावजूद आम आदमी पार्टी के नेता या मंत्री को क्या किसी नीतिगत फैसले की घोषणा, उसकी मंजूरी और उसे लागू करने की प्रक्रिया में लगने वाले समय के बारे में अंदाजा नहीं है! अगर सरकार को ऐसा लगा भी कि बिजली सबसिडी के फैसले पर उपराज्यपाल की मंजूरी में देरी होने के मामले में कोई प्रक्रियागत खामी है, तो क्या इसे सार्वजनिक रूप से राजनीतिक मुद्दा बनाने से पहले स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार नहीं कर लेना चाहिए था? किसी भी व्यवस्था में लोक-लुभावन सरकारी योजनाओं के साथ एक समस्या यह होती है कि उससे किसी पार्टी को आम लोगों का समर्थन तो मिलता है, मगर एक हद के बाद कोई योजना सरकारी कोष के लिए बोझ भी साबित होने लग सकती है। उसके बाद इस बात पर विचार होने लगता है कि नागरिकों को मुफ्त में दी जा रही किसी सेवा का दायरा क्या कुछ कम या सीमित किया जाए! ऐसे में सरकार की ओर से चलाई जा रही किसी योजना के लाभ या मुफ्त सेवा में कटौती होती है तो उसके लाभार्थियों के बीच असंतोष या नाराजगी पैदा होती है।

दीपक कुमार शर्मा

बदलते वक्त में प्राकृतिक खेती की जरूरत

उत्पादन और मूल्य प्राप्ति में अनिश्चितता की वजह से किसान उच्च लागत वाली कृषि के दुश्चक्र में फंस गया है। लगातार गिरता उत्पादन और फसलों में बढ़ती बीमारियां कृषि क्षेत्र की जटिलताओं को और बढ़ा रही हैं। इस स्थिति से किसानों को बाहर निकालने और उनके दीर्घकालिक कल्याण के लिए प्राकृतिक खेती की तरफ रुख करने से सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। कृषि में बढ़ते रासायनिक खादों और दवाओं के उपयोग से फसलों और फिर इसका सीधा प्रतिकूल प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। प्राकृतिक खेती एक रासायनिक खाद मुक्त यानी पारंपरिक कृषि पद्धति है। इसे कृषि-पारिस्थितिकी आधारित विविध कृषि प्रणाली माना जाता है, जो जैव विविधता के साथ फसलों, पेड़ों और पशुधन को एकीकृत करती है। सरकार ने देश भर में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति यानी बीपीकेपी को प्रश्रय देकर राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की शुरुआत की है, ताकि किसान खेतों में रासायनिक खादों का उपयोग कम कर सकें।राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत पंद्रह हजार क्लस्टर यानी समूह विकसित करके साढ़े सात लाख हेक्टेयर क्षेत्र को इसकी परिधि में लाया जाएगा। प्राकृतिक खेती शुरू करने के इच्छुक किसानों को क्लस्टर सदस्य के रूप में पंजीकृत किया जाएगा और इसके साथ ही प्रत्येक क्लस्टर में पचास हेक्टेयर भूमि के साथ पचास या उससे अधिक किसानों को शामिल किया जाएगा। क्लस्टर एक गांव भी हो सकता है और उसमें दो-तीन आसपास के गांवों को भी शामिल किया जा सकता है। इस मिशन के तहत बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए तीन वर्ष तक प्रति वर्ष पंद्रह हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की वित्तीय सहायता मिलेगी। इस वित्त पोषण में इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि किसान प्राकृतिक खेती के लिए प्रतिबद्ध हों। अगर कोई किसान प्राकृतिक खेती का उपयोग नहीं करता है, तो उसे बाद की किस्तों का भुगतान नहीं किया जाएगा। इन सबके अलावा, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए क्रियान्वयन ढांचे, संसाधनों, क्रियान्वयन की प्रगति, किसान पंजीकरण, ब्लाग आदि की जानकारी प्रदान करने वाला एक वेब पोर्टल भी शुरू किया गया है। देश में गैर-रासायनिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए खरीद पर भले जोर दिया जा रहा हो, पर हकीकत में सारे प्रयास अभी तक आधे-अधूरे हैं। सरकार ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसमें अभी तक कोई विशेष सफलता हाथ नहीं लगी है। उत्पादन और मूल्य प्राप्ति में अनिश्चितता की वजह से किसान उच्च लागत वाली कृषि के दुष्चक्र में फंस गया है। लगातार गिरता उत्पादन और फसलों में बढ़ती बीमारियां कृषि क्षेत्र की जटिलताओं को और बढ़ा रही हैं। इस स्थिति से किसानों को बाहर निकालने और उनके दीर्घकालिक कल्याण के लिए प्राकृतिक खेती की

तरफ रुख करने से सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। दुनिया की बढ़ती जनसंख्या एक गंभीर समस्या है। लोगों को भोजन की आपूर्ति के लिए मानव द्वारा अधिक से अधिक उत्पादन करने के लिए तरह-तरह के रासायनिक खादों, जहरीले कीटनाशकों का उपयोग, प्रकृति के जैविक और अजैविक पदार्थों के बीच आदान-प्रदान के चक्र यानी 'इकोलाजी सिस्टम' को प्रभावित करता है, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति खराब हो जाती है, साथ ही वातावरण प्रदूषित होता और मानव स्वास्थ्य में गिरावट आती है। भारत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है और यह बड़ी आबादी की आय का मुख्य साधन भी है। हरित क्रांति के समय बढ़ती जनसंख्या और आय के मद्देनजर उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया गया। तब अधिक उत्पादन के लिए खेती में अधिक मात्रा में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग पर जोर दिया गया। अब इसकी वजह से सीमांत और छोटे किसानों के पास कम जोत में अत्यधिक लागत आ रही है और जल, भूमि, वायु प्रदूषित हो रहा है, खाद्य पदार्थ भी जहरीले हो रहे हैं। इसलिए इन सभी समस्याओं से निपटने के लिए प्राकृतिक कृषि पर सरकार बल दे रही है। प्राकृतिक खेती एक अनूठा माडल है, जो कृषि-पारिस्थितिकी पर निर्भर है। इसका उद्देश्य उत्पादन की लागत को कम करना और सतत कृषि को बढ़ावा देना है। प्राकृतिक खेती मिट्टी की सतह पर सूक्ष्म जीवों और केंचुओं द्वारा कार्बनिक पदार्थों के विखंडन को प्रोत्साहित करती और धीरे-धीरे मिट्टी में पोषक तत्त्वों को जोड़ती है। हालांकि, जैविक खेती में जैविक खाद, वर्मी-कंपोस्ट और गाय के गोबर की खाद का उपयोग किया जाता है तथा इन्हें जोते हुए खेत में प्रयोग किया जाता है। भारत सरकार द्वारा सहायता प्राप्त प्राकृतिक कृषि क्षेत्र अब 4.09 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। इस कार्य के लिए आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और केरल सहित आठ राज्यों में 49.81 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है। भारत में वर्तमान में शून्य बजट प्राकृतिक कृषि पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत प्राकृतिक खेती के तरीकों का एक समूह तथा एक जमीनी किसान आंदोलन तैयार हो रहा है, जो भारत के विभिन्न राज्यों में फैल रहा है। शून्य बजट प्राकृतिक कृषि एक ऐसी पद्धति है, जो लागत कम करने के साथ ही जलवायु पर निर्भर कृषि तथा किसानों को स्थानीय संसाधनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती और कृत्रिम उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को समाप्त करती है। इस तरह मृदा स्वास्थ्य और मानव स्वास्थ्य को नुकसान से बचाती है। शून्य बजट प्राकृतिक खेती, एक अनूठा तरीका है, जिसमें बाजार से बीज, उर्वरक और पौधों के संरक्षण, रसायनों जैसे महत्त्वपूर्ण उपादानों की खरीद के लिए कोई मौद्रिक निवेश करने की आवश्यकता नहीं होती है। यह व्यापक, प्राकृतिक और आध्यात्मिक कृषि प्रणाली है। किसान उर्वरकों और कीटनाशकों के बिना फसल की स्थानीय किस्मों को उगा सकते हैं। चूंकि यह शून्य बजट खेती है, इसलिए इसमें किसी संस्थागत ऋण की आवश्यकता नहीं होगी और मानव श्रम पर निर्भरता भी कम से कम हो जाएगी। शून्य बजट प्राकृतिक खेती विभिन्न कृषि सिद्धांतों के माध्यम से मिट्टी की उर्वरता में सुधार लाने की एक कारगर पद्धति है।

प्राकृतिक खेती कई अन्य लाभों, जैसे कि मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरणीय स्वास्थ्य की बहाली, और ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन का शमन या उनमें कमी लाते हुए किसानों की आय बढ़ाने का मजबूत आधार प्रदान करती है। यह प्राकृतिक या पारिस्थितिकीय प्रक्रियाओं, जो खेतों में या उसके आसपास मौजूद होती हैं, पर आधारित होती है। किसानों की आमदनी दोगुना करने के साथ ही अनाज का उत्पादन भी वर्तमान की तुलना में दोगुना करने के सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य खेती की इसी विधि से हासिल किए जा सकते हैं। यही नहीं, शून्य बजट प्राकृतिक खेती के तहत जो फसल उगाई जाती है उसकी पैदावार भी काफी अच्छी होती है। 'भारत में आर्गेनिक और प्राकृतिक खेती से संपूर्ण लाभ के प्रमाण' नामक रिपोर्ट प्राकृतिक खेती के दृष्टिकोण और फायदे के बारे में सबूतों के आधार पर बताती है कि गैर-रासायनिक खेती को व्यापक विस्तार दिया जा सकता है। यह रिपोर्ट भविष्य की नीतियों के लिए एक स्पष्ट रास्ता दिखाती है कि सिर्फ पैदावार के बजाय जैविक या प्राकृतिक खेती के विभिन्न फायदों को समग्रता से देखा जाना चाहिए। वैज्ञानिक समुदाय और नीति निर्माता इन तथ्यों पर ध्यान देंगे और गैर-रासायनिक खेती को प्रोत्साहित करेंगे। 2014-19 के बीच 504 बार दर्ज पैदावार के परिणाम बताते हैं कि प्राकृतिक खेती के जरिए उच्चतम पैदावार इकतालीस फीसद, आंशिक रसायन आधारित एकीकृत खेती में पैदावार तैंतीस फीसद और रासायनिक खेती में महज छब्बीस फीसदी पैदावार रही।

राहत का रुख

महंगाई की दर में लगातार कमी दर्ज होने से निस्संदेह लोगों ने राहत की सांस ली है। थोक महंगाई दर उनतीस महीनों के निचले स्तर 1.34 पर पहुंच गई है। हालांकि कुछ खाद्य वस्तुओं की कीमतों में महंगाई अब भी काबू से बाहर नजर आ रही है, मगर खुदरा महंगाई भी रिजर्व बैंक द्वारा तय ऊपरी छह फीसद के स्तर से नीचे उतर कर 5.66 प्रतिशत पर आ गई है। पिछले छह महीनों से थोक महंगाई एक अंक में बनी हुई है, नहीं तो पिछले साल मार्च में यह 14.63 प्रतिशत पर थी। बताया जा रहा है कि थोक महंगाई में यह गिरावट विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में कमी की वजह से आई है। खासकर कपड़ा उत्पादन और धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज हुई है। कीमतों में आई इस कमी की एक वजह ईंधन के दाम में कमी भी बताई जा रही है। पिछले कई महीनों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ऊपर का रुख किए हुई थीं और युद्ध की वजह से आपूर्ति शृंखला में व्यवधान आने के चलते इन पर काबू पाना कठिन बना हुआ था। पिछले दिनों पेट्रोल-डीजल और गैस की कीमतों में कमी की गई। स्वाभाविक ही इसका असर वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ा। हालांकि खाद्य वस्तुओं की कीमतों में अपेक्षित कमी न आ पाने की वजह से चिंता अभी समाप्त नहीं हुई है। दरअसल, रिजर्व बैंक खुदरा महंगाई पर ही नजर रखता और उसी के अनुरूप अपनी ब्याज दरों में बदलाव का फैसला करता है। पिछली मौद्रिक नीति में उसने रेपो दरों में कोई बदलाव इसीलिए नहीं किया कि उसे यकीन था कि महंगाई का रुख नीचे की तरफ होगा। उसका अनुमान

सही साबित हुआ है। मगर अब भी दूध, फल और सब्जियों के दाम आम लोगों की जेब पर बोझ डाल रहे हैं, तो इस दिशा में सोचने की जरूरत है। गेहूं, मोटे अनाज और धान जैसे अनाज की कीमतें कुछ टूटी हैं, मगर जिस तरह मौसम का मिजाज बदल रहा है और गेहूं की कटाई के समय ही देश भर में तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि ने फसलों को चौपट किया, उससे आने वाले दिनों में कीमतों का रुख यही बना रहेगा, कहना मुश्किल है। फिर महंगाई के आंकड़े थोक मूल्य सूचकांक के मुताबिक आंके जाते हैं, जबकि दुकानों पर इसका असर वैसा नहीं देखा जाता। इसलिए भी वास्तविक उपभोक्ता पर इस घटी हुई दर का कितना असर हुआ है, कहना मुश्किल है। हालांकि महंगाई में गिरावट का यह रुख राहत देने वाला है। थोक महंगाई उतर कर डेढ़ फीसद से भी कम पर पहुंच गई, तो इससे जाहिर है कि औद्योगिक उत्पादन में तेजी आ रही है। अभी तक उद्योगों में सुस्ती का आलम था और बाजार में अपेक्षित खपत न हो पाने की वजह से उनमें उत्साह पैदा नहीं हो पा रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में संकुचन देखा जा रहा है। इसलिए निर्यात की दर लगातार घट रही है। यानी भारी उद्योगों को अपना उत्पादन घरेलू बाजार में खपाना पड़ रहा है। इससे भी थोक महंगाई की दर में लगातार कमी देखी जा रही है। हालांकि महंगाई काबू में रहती है, तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का भरोसा बढ़ता है, मगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंदी की छाया घिरी होने की वजह से अगर भारी उद्योगों की उत्पादन दर में तेजी नहीं आ पा रही है, तो महंगाई टूटने के बावजूद अर्थव्यवस्था में मजबूती का दावा करना मुश्किल बना हुआ है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक दीपक कुमार शर्मा द्वारा जॉय प्रिंटर्स प्लॉट नं 3जी -142, एनआईटी फरीदाबाद से मुद्रित एवं 903 सैक्टर-8, फरीदाबाद 121006 (हरियाणा) से प्रकाशित।
संपादक- दीपक कुमार शर्मा

RNI No. HARBIL/2016/74676

Mob. 8527791656, 9899222656,

अब दूसरा बच्चा लडक़ा होने पर भी कामगार महिला को मिलेंगे पांच हजार रूपए

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहाकि प्रदेश सरकार ने नियमों में बदलाव कर कामगार महिलाओं को सुविधा प्रदान करने का अहम कदम उठाया है। हरियाणा में अब कामगार महिलाओं को दूसरा बच्चा लडक़ा होने पर भी प्रदेश सरकार की योजना के तहत 5 हजार रूपए मिलंगे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल मार्गदर्शन व महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग ने गर्भावस्था के दौरान हुए मजदूरी के नुकसान की भरपाई व स्तनपान कराने वाली महिलाओं में पोषण सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना शुरू की है। उन्होंने सरकार की योजना की जानकारी देते हुए बताया कि पिछ्ले साल 8 मार्च के बाद दूसरे बच्चे के रूप में लडक़े को जन्म देने वाली अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाएं इस योजना का लाभ उठा सकेंगी। इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग महिलाओं सहित मनरेगा जॉब कार्ड, ई श्रम कार्ड, बीपीएल राशन कार्ड, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और किसान सम्मान निधि की लाभार्थी महिलाएं योजना का लाभ लेने के लिए पात्र होंगी। योजना का लाभ लेने के लिए संबंधित महिला के परिवार की सालाना आय 8 लाख रूपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। इस योजना के लिए आधार कार्ड अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि केंद्र या राज्य सरकार की नौकरियों और सार्वजनिक उपक्रमों में तैनात महिला कर्मचारी योजना का लाभ लेने के लिए पात्र नहीं होंगी। सहायता राशि लेने के लिए गर्भावस्था के पंजीकरण के बाद कम से कम एक बार प्रसव पूर्व जांच के साथ ही बच्चे का पंजीकरण और उसे बीसीजी, ओपीवी, डीपीटी और हेपेटाइटिस बी के टीके लगवाना जरूरी है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की सभी बाधाएं दूर, छह माह में पूरा हो जाएगा कार्य: डीसी विक्रम सिंह

सचिव (कॉर्डिनेशन) कैबिनेट सचिवालय भारत सरकार द्वारा हरियाणा से संबंधित विकास योजनाओं की समीक्षा की

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक कुमार शर्मा

फरीदाबाद। उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के निर्माण कार्य को लेकर फरीदाबाद जिला की सभी बाधाएं दूर कर ली गई हैं। विभिन्न विभागों की जमीन क्लियर करवाने सहित वन विभाग की बाधाओं को भी दूर कर लिया गया है। अगले छह महीने में हाईवे का कार्य भी लगभग पूरा कर लिया जाएगा। उपायुक्त विक्रम सिंह सोमवार को सचिव (कार्डिनेशन) कैबिनेट सचिवालय राष्ट्रपति भवन भारत सरकार द्वारा हरियाणा से संबंधित सडक़-रेल संबंधित विकास योजनाओं की समीक्ष मीटिंग में जानकारी दे रहे थे। उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे के निर्माण के लिए बदरपुर बॉर्डर से कैली तक हरियाणा सरकार द्वारा 70 मीटर जगह आरओडबल्यु (राइट ऑफ वे) के लिए एनएचएआई को फ्री दी जानी थी। इसमें ज्यादातर जगह एचएसवीपी की है जिसे एनएचएआई को सौंप दिया गया है। इसके साथ ही इस 70 मीटर कैरिज वे को पूरा करने में बदरपुर बॉर्डर से गुड़गांव कैनाल बल्लभगढ़ तक 12.27 हेक्टेयर जमीन सिंचाई विभाग की है। इस जमीन को ट्रांसफर करने की प्रक्रिया अनुमति के लिए प्रक्रियाधीन है। लेकिन इसके बावजूद हाईवे निर्माण पर कोई रोक नहीं रहेगी। इसके साथ ही फरीदाबाद से जेवर एयरपोर्ट तक बनने वाले एक्सप्रेस वे को लेकर भी उपायुक्त ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस एक्सप्रेस वे के लिए भी लगभग तैयार पूरी कर ली गई है और अधिकारी लगातार इस पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस एक्सप्रेस-वे वे का निर्माण कार्य जल्द पूरा कर लिया जाएगा। मीटिंग में एक्सईएन सिंचाई विभाग वीरेंद्र सिंह रावत भी मौजूद थे। मवई ड्रेन के यूपी सिंचाई विभाग के हिस्से की सफाई का कार्य पूरा उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि जिला परिवेदना एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के सामने मवई ड्रेन की सफाई की मुद्दा आया था। इस पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने ड्रेन की तुरंत सफाई का निर्देश दिया था। उन्होंने बताया कि मवई ड्रेन के जरिए सेक्टर-16,17,21 व 28 सहित शहर के कई सेक्टरों व कालोनियों का पानी आगे जाकर बुढ़िया नाले में गिरता है। इस ड्रेन में 4.1 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग का है। नाले की सफाई के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने फ्लड कंट्रोल बोर्ड की मीटिंग के बाद 77 लाख रुपए उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग को भी दिए थे। अब इस नाले की सफाई का कार्य 80 प्रतिशत से ज्यादा पूरा कर लिया गया है।

कुलपति ने शोधकर्ताओं को शोध पत्र लिखने के आवश्यक पहलुओं से परिचित करवाया

शोध पत्र लिखने के आवश्यक पहलुओं पर चर्चा के लिए संगोष्ठी का आयोजन

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ द्वारा आज शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए शोध पत्र लिखने के आवश्यक पहलुओं पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को शोध पत्र लिखने और उन्हें प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत करवाना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सुशील कुमार तोमर संगोष्ठी के मुख्य वक्ता रहे। अपने संबोधन में प्रो. तोमर ने अकादमिक क्षेत्र में अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डाला और शोधकर्ताओं को प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में अपने शोध कार्य प्रकाशित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने शोध पत्र लिखने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें शोध विषय का चयन, साहित्य समीक्षा, कार्यप्रणाली, डेटा विश्लेषण और परिणाम शामिल हैं। उन्होंने उचित उद्धरण और संदर्भ के महत्व पर भी बल दिया और शोध में नैतिक मानकों का पालन करने के महत्व पर चर्चा की। संगोष्ठी में काफी संख्या में शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से संवाद किया और विषय से संबंधित कई व्यावहारिक प्रश्न पूछे। संगोष्ठी ने शोधकर्ताओं को शोध पत्र लेखन और प्रकाशन को लेकर ज्ञानवर्धन के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। इस अवसर पर निदेशक (अनुसंधान एवं विकास) प्रो. नरेश चौहान, सभी डीन और विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षण विभागों के अध्यक्ष उपस्थित थे। सत्र का संचालन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सोनिया बंसल तथा डॉ. रेवा शर्मा ने किया। विश्वविद्यालय का अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से इस तरह के आयोजन करता है।

जीवा स्कूल के छात्रों ने खेल जगत के अलग.अलग क्षेत्रों में विजय प्राप्त की

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। फरीदाबाद सैक्टर 21 बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल के लिए यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि विद्यालय के दो छात्रों ने खेल जगत के दो अलग.अलग क्षेत्रों में विजय प्राप्त की विद्यालय के बारहवीं कक्षा के छात्र सक्षम यादव ने किक बॉक्सिंग में स्वर्ण एवं रजत पदक प्राप्त किए है। एम0सी0 एफ 0 के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित फरीदाबाद जि़ला किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआए जिसमें जि़ले के अनेक स्कूली एवं निजी प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। विद्यालय के लिए यह एक गर्व का विषय रहा कि विद्यालय के बारहवीं कक्षा के छात्र सक्षम ने अपनी प्रतिभा एवं अपनी कुशलता का परिचय देते हुए स्वर्ण एवं रजत दोनों पदक प्राप्त किए। वहीं आठवीं कक्षा के छात्र मोहित लांबा ने भी कराटे की प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक एवं ट्रॉफी जीत कर जि़ले में विद्यालय का नाम रोशन कर दिया। तीसरे गोजू रियू कराटे चैंपियनशिप का आयोजनए गोजू रियू कराटे डो मिशन एसोसिएशन की ओर से होली फेथ पब्लिक स्कूल में किया गया जहां पर जि़ले के अनेक स्कूली छात्रों एवं निजी प्रशिक्षण संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया। इस कठिन प्रतियोगिता में मोहित लांबा ने धैर्य के साथ अपना प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक एवं ट्रॉफी भी जीत ली। विद्यालय के दोनों छात्र बहुत अनुशासन प्रिय एवं व्यवहार कुशल है। दोनों छात्रों का मानना है कि विद्यालय में सिखाए जाने वाले सिद्धांतों के कारण उन्होंने इस कठिन प्रतियोगिता में धैर्य के साथ अपना प्रदर्शन किया एवं विजय प्राप्त कीए स्वाध्याय एवं दिनचर्या के नियमों के कारण ही वे अपनी कुशलता और निपुणता को जान सकें और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पाएं। विद्यालय के अध्यक्ष श्री ऋषिपाल चौहान एवं उपाध्यक्षा श्रीमती चंद्रलता चौहान जी ने दोनों छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दीए वहीं विद्यालय की एकेडमिक एंड एक्सिलेंस हेड श्रीमती मुक्ता सचदेव एवं प्रधानाचार्या श्रीमती अपर्णा शर्मा ने भी दोनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्य - स्तरीय प्रतियोगिता में अग्रवाल कॉलेज की छात्राओं ने जीते पुरस्कार

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल में आयोजित राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम उडान 1.0 (17-18 अप्रैल 2023) में अग्रवाल महाविद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न स्पर्धाओं में बाजी मारी। छात्राओं ने वाद ङ्क विवाद प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया । अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ की छात्रा सुजाता बी. ए द्वितीय वर्ष ने वाद विवाद प्रतियोगिता में शीर्षक- 'सदन के मत में सोशल मीडिया एक वरदान है- के पक्ष में राष्ट्रीय भाषा हिंदी में प्रथम स्थान प्राप्त कर 2100रू का नगद पुरस्कार प्राप्त किया वहीं छात्रा हिमिका ने विपक्ष में द्वितीय स्थान प्राप्त कर 1800रू का नगद पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्राप्त किया । अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 कृष्णकांत गुप्ता ने विजयी छात्राओं को बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। प्राचार्य डॉ0 कृष्णकांत गुप्ता ने छात्राओं की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं युवाओं के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनके मन-मस्तिष्क में राष्ट्रवाद व राष्ट्रीय निर्माण के प्रति सकारात्मक समझ व दृष्टिकोण विकसित करती हैं। डॉक्टर यशिका यादव, फैमिली कोर्ट, फरीदाबाद में विजयी छात्राओं को नगद पुरस्कार व सर्टिफिकेट प्रदान किए।

एडीसी अपराजिता ने किया सेक्टर-86 में साईधाम स्किल डेवलपमेंट सेंटर/ हुनर मंद केन्द्र का औचक निरीक्षण

स्किल डेवलपमेंट सेंटर/ हुनर मंद केन्द्र संचालकों को दिए दिशा निर्देश

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। एडीसी अपराजिता ने आज मंगलवार को सवेरे सेक्टर-86 में साईधाम स्किल डेवलपमेंट सेंटर/ हुनर मंद केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। वहां उन्होंने स्किल डेवलपमेंट सेंटर/ हुनर मंद केन्द्र संचालकों को दिशा निर्देश दिए। एडीसी अपराजिता ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में बेरोजगार युवकों के बेहतर भविष्य के लिए केंद्र सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार नई शिक्षा नीति पर तेजी से कार्य क्रियान्वित किया जा रहा है। वहीं रोबोटिक लैब के जरिये पहली कक्षा से ही बच्चों को रोबोटिक शिक्षा मिलेगी। उन्होंने प्रबंधन समिति को निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों के भविष्य के लिए बेहतर शिक्षा पर कार्य करना होगा। सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार देश के युवाओं को सक्षम बनाने के लिए कौशल शिक्षा पर पुरजोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक परिवेश में रोजगार परक शिक्षा से देश के बच्चों का भविष्य उज्जवल हो रहा है। बेरोजगारी भी दूर हो रही है। एडीसी अपराजिता ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने इस योजना को लागू किया है। जिससे भारतीय युवाओं को एक विशिष्ट उद्योग से जुड़े कौशल प्रशिक्षण लेने में सक्षम बनाया जा सके। इससे वे बेहतर आजीविका चलाने में सक्षम होंगे। यह पहल युवा पीढ़ी को रोजगार के अवसर प्रदान करती है और उन्हें अपने एमएसएमई लॉन्च करने में भी मदद करती है। आपको बता दें कि यह अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कदम रखने वाले नए व्यापारियों को प्रशिक्षण के साथ-साथ वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करता है। इसके अलावा यह निर्माण, बैंकिंग और वित्त, परिवहन, पर्यटन और उद्यमिता जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर जोर देता है। इस पहल के तहत, भारत ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अन्य देशों और विदेशी शैक्षणिक संस्थानों के साथ भागीदारी की है। यह लोगों को उनके संचार, उद्यमशीलता और प्रबंधन कौशल में सुधार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य प्रशिक्षण प्रदान करने पर केंद्रित है।

नैतिक मूल्यों की परिधि में हो लाभ: डॉ. नेहरू

विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी डे के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ समारोह

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में नैतिक मूल्य नितांत आवश्यक हैं। इस व्यवसाय से जुड़े लोग सिर्फ लाभ नहीं, बल्कि शुभ लाभ के लिए काम करें। वह लाभ नैतिक मूल्यों की परिधि में होना चाहिए। डॉ. नेहरू विश्वविद्यालय में मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी डे के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि नैतिक मूल्यों की हर क्षेत्र में अनुपालन होनी चाहिए, लेकिन चिकित्सा के क्षेत्र में यह और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में हुए शोध की सराहना करते हुए कहा कि डायग्नोस्टिक क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है। बीमारियों को चिन्हित करने में अधिक सटीक परिणाम आने लगे हैं। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने मेडिकल क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाला समय उपचार के लिहाज से और भी अधिक महत्वपूर्ण होगा। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने लैब टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कई कोर्स शुरू किए हैं और विद्यार्थियों को सीधा रोजगार के साथ जोड़ा है। डॉ. नेहरू ने कहा कि कैंपस को उद्योग के साथ समन्वित किया गया है, ताकि विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा अनुभव से सीख सकें। स्किल डेवलपमेंट ऑफ लाइफ साइंस हेल्थकेयर और ज्वाइंट फोरम ऑफ मेडिकल लेबोरेट्री टेकोनोलोजिस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सा उपकरण निर्माण से जुड़ी कई कंपनियों ने अपनी प्रदर्शनी भी लगाई। न्यूबर्ग डायग्नोस्टिक द्वारा मेडिकल परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर निशुल्क रक्त जांच की गई। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं रिसर्च की संयुक्त निदेशक डॉ. सविता मंधार ने नेशनल कमीशन फॉर अलाइड एवं हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स कौंसिल के बारे में विस्तार से बताया। राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यारोपण बोर्ड की ओर से ऋतु कुलश्रेष्ठ ने पैथोलॉजी लेबोरेटरी की गुणवत्ता की तकनीकी प्रबंधन एवं मूल्याँकन से सबंधित जानकारी प्रदान की। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की स्किल कांउसिल की सदस्य रिटायर्ड ब्रिगेडियर डॉ. सुनीता कक्कड़ ने विद्यार्थियों को व्यवसाय से जुड़े नैतिक मूल्यों के विषय में जागरूक किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. रणधीर सिंह राठौड़, डीन एकेडमिक प्रोफेसर ज्योति राणा, डीन कृषि संकाय प्रोफेसर रंजीत सिंह, प्रो. ऋषिपाल भी शामिल हुए। कार्यक्रम में डायग्नोस्टिक इंडस्ट्री की तरफ से ट्रांसेसिया बायो मेडिकल्स ,एजीडी बायो मेडिकल, क्रिसर हेल्थ केयर की तरफ से लेटेस्ट मशीनरी का डेमोंस्ट्रेशन किया गया। कार्यक्रम का सचालन डॉ. कल्पना माहेश्वरी एवं डॉ. संतोष कुमार यादव ने किया और धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. मोहित श्रीवास्तव कि तरफ से किया गया। इस अवसर पर डॉ. मनोज कुमार शर्मा, डॉ. हिमानी वार्ष्णेय, ज्योति नैन और प्राभिषेक श्रोती भी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने की बडख़ल झील, सूरजकुंड सहित फरीदाबाद में पर्यटन क्षेत्रों की विकासात्मक योजनाओं और परियोजनाओं के क्रियान्वयन अधिकारियों के साथ समीक्षा

अधिकारियों को पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन और अवैध कब्जे हटाने दिए निर्देश

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल की अध्यक्षता में विडियो कांफ्रेंस के जरिये बडख़ल झील, सूरजकुंड सहित फरीदाबाद के अन्य पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में फरीदाबाद के पर्यटन स्थलों की विकासात्मक योजनाओं और परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए अधिकारी आपसी तालमेल करके अमलीजामा पहनाना सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने एक-एक करके बडख़ल झील, सूरजकुंड और लकडपुर क्षेत्र में पर्यटन विभाग की विकासात्मक योजनाओं और परियोजनाओं की बारीकी से समीक्षा कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बडख़ल गांव से अवैध कब्जे हटाने तथा विश्वस्तरीय बडख़ल झील के एंट्री प्वाइंट अनखीर चौक से झील तक पहुंचाने तथा सूरजकुंड वाली सड़क का सौंदर्यीकरण सहित बिजली सप्लाई से जुड़ी हुई लाइन तथा अन्य कार्य,सिवरेज व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटिंग और अन्य मूलभूत विकास कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए मंत्रणा कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। वहीं समीक्षा बैठक में विकासात्मक योजनाओं और परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए तथा आन लाइन प्लेट फार्म प्रणाली को आधुनिक तौर तरीकों के साथ विभागों तथा एजेंसियों से आपसी सहमति से करवाया जाने बारे बारिकी से चर्चा की गई। सड़कों पर स्ट्रीट लाइटिंग, इलेक्ट्रिकल वर्क, रोड, फुटपाथ, ग्रिल सहित तमाम पहलुओं पर बारीकी से समीक्षा की गई। वहीं बडख़ल झील पर चल रहे जीर्णोद्धार कार्य बांध, पार्किंग, फुटओवर ब्रिज, एस्केलेटर, बाउंड्री वॉल, सीवर लाइन आदि के निर्माण कार्य के बेहतर क्रियान्वयन के लिए विस्तृत जानकारी लेकर समीक्षा की गई। विश्व पर्यटन केंद्र के रूप में उभरेगा फरीदाबाद के बडख़ल झील और सूरजकुंड का क्षेत्र बता दें कि बडख़ल झील का जीर्णोद्धार मुंबई के मैरिन ड्राइव की तर्ज पर किया जा रहा है। इस मैरिन ड्राइव का सौंदर्यीकण विश्व स्तरीय होगा। इस बांध पर बच्चों के लिए झूले, रेस्त्रा, जूस कॉर्नर, वॉकिंग ट्रैक, फ़ूड कोर्ट्स, ओपन एयर जिम आदि सुविधाएं मिलेंगी। कर्णप्रिय संगीत की धुनों पर योगाभ्यास, व्यायाम करने की सुविधा भी इस स्थल पर होगी। यह स्थल शहर के सबसे खूबसूरत जगह में से एक होगी। झील को गंदगी से बचाने के लिए फेंसिंग की जाएगी। बडख़ल झील एक बार फिर पर्यटन केंद्र के रूप में उभरेगी। विडियो कान्फ्रेंस में पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव एमडी सिन्हा, डीसी विक्रम सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त ओपी नरवाल, एचएसवीपी प्रशासक डॉक्टर गरिमा, एस्टेट ऑफिसर अमित कुमार, एसीपी अभिमन्यु गोयत, टाऊन प्लानर रेनू चौधरी, वन विभाग के रेंजर प्रतीक पांचाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

आशा कान्वेंट स्कूल के प्रांगण में मानव जनहित एकता परिषद के तत्वाधान में नेत्र जांच शिविर का आयोजन

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। संजय कालोनी सैक्टर-22 स्थित आशा कान्वेंट स्कूल के प्रांगण में मानव जनहित एकता परिषद के तत्वाधान में केवल प्रेम आंख अस्पताल फरीदाबाद के सहयोग से नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आशा कान्वेंट स्कूल के चेयरमैन राजेश मदान ने कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर शुभांरभ किया। शिविर में निशुल्क लगभग 180 लोगों ने आंखों की जांच कराई। शिविर में लोगों को निशुल्क चश्में व दवाइयां भी वितरित की गई जबकि 15 मरीजों को आंखों के निशुल्क ऑपरेशन के लिए केवल प्रेम आंखों के अस्पताल फरीदाबाद में भेजा गया। निशुल्क दांतो का शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें लगभग 50 लोगों ने अपने दांतो की जांच कराई केएमसी हॉस्पिटल के द्वारा निशुल्क बीपी, शुगर, ईसीजी की जांच की गई। मानव जनहित एकता परिषद के सचिन तंवर ने कहां की सभी सामाजिक धार्मिक संस्थाओं को इस तरह के कैंपों का आयोजन करना चाहिए ताकि जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ मिल सके। शिक्षाविद् राजेश मदान ने बताया कि अभिभावक एवं आसपास के कमजोर वर्ग के लागों के लिए ऐसे कार्यक्रम किये जाते हैं ताकि जरूरतमंद लोगों को कैंप लाभ मिल सके। जांच शिविर में मुख्य रूप से सुरेंद्र शर्मा बबली, सुनील यादव, संजीव कुशवाहा, रतन लाल चौधरी, युधिष्ठर शर्मा, ललित शर्मा, विनोद शर्मा, मनोज कोली, रवि सोनी, गुरचरण डोरा, संगीता नेगी, दिवाकर शर्मा, अवधेश कुमार ओझा, सरदार मनजीत सिंह, अशोक तंवर आदि लोग उपस्थित थे।

एक्सप्रेस न्यूज

दरगाह में लगी आग की जांच हेतु समिति गठित

श्रीनगर, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड ने मध्य कश्मीर के श्रीनगर जिले के दरगाह हजरतबल इलाके में आग लगने की घटना की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। आग की घटना से इलाके में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और आठ घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड के ही हैं। वक्फ बोर्ड ने आदेश में कहा कि अतीत में हजरतबल श्रीनगर में वक्फ संपत्ति के अवैध हस्तांतरण के गंभीर आरोपों के मद्देनजर और वक्फ कर्मियों और किरायेदारों की कथित लापरवाही के कारण आग लगी है।

मुंबई में हीट स्ट्रोक से मरने वालों की संख्या बढ़कर 13

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सामाजिक कार्यकर्ता अप्पासाहेब धर्माधिकारी के सम्मान समारोह में लू के कारण 13 प्रशंसकों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए सोमवार को मृतकों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने कहा कि अप्पा साहेब धर्माधिकारी के 13 प्रशंसकों की उपचार के दौरान मौत होना अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। राज्य सरकार मृतकों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपए की सहायता देगी और अस्पताल में इलाज करा रहे सदस्यों के इलाज का खर्च वहन करेगी।

बांग्लादेश में दो ट्रेनें पटरी से उतरी, 12 लोग घायल

ढाका, (एजेंसी)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका से लगभग 96 किलोमीटर दूर कुमिला जिले में दो ट्रेनों के सात डिब्बे पटरी से उतर जाने से कम से कम 12 लोग घायल हो गये। कुमिला के नांगलकोट थाने के सूत्रों ने शिन्हुआ को बताया कि चटगांव से ढाका जा रही एक यात्री ट्रेन के पांच डिब्बे रविवार को स्थानीय समयानुसार शाम लगभग 6:30 बजे हसनपुर रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी को पीछे से टक्कर मारने के बाद पटरी से उतर गए। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। अधिकारी के अनुसार, ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद ढाका को देश के अन्य इलाकों से जोड़ने वाला रेल संपर्क घंटों तक बाधित रहा।

अमेरिका में गोलीबारी में चार की मौत, कई घायल

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। अमेरिका के डेडविल के छोटे अलबामा शहर में गोलीबारी में चार लोग की मौत हो गई और कम से कम 20 से अधिक घायल हो गए। स्थानीय टीवी स्टेशनों ने यह जानकारी दी है। टीवी स्टेशन डब्ल्यूआरबीएल ने अलबामा कानून प्रवर्तन एजेंसी की विज्ञप्ति का हवाला देते हुए रविवार को बताया कि गोलीबारी शनिवार देर रात साढ़े दस बजे के करीब हुई थी। स्थानीय रिपोर्ट में कहा गया कि जन्मदिन की पार्टी के दौरान एक डांस स्टूडियो में नाचने-गाने के दौरान गोलियां चली। गोली मारने के कारण का अभी तक पता नहीं चला है और अभी तक किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया है।

वरिष्ठ नागरिकों की रेल रियायत बहाल करने को लेकर आगे आया सामाजिक न्याय मंत्रालय

नई दिल्ली। कोरोना काल में बंद की गई रेल रियायत को बहाल करने की लगातार मांग कर रहे वरिष्ठ नागरिकों के समर्थन में अब केंद्र सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भी आ गया है। मंत्रालय ने इस संबंध में रेल मंत्रालय और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन को पत्र लिखकर वरिष्ठ नागरिकों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है। मंत्रालय के मुताबिक उनके पास देशभर के वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े संगठनों की ओर से इस संबंध में लगातार शिकायतें दर्ज कराई जा रही है। अब तक इसे लेकर सैकड़ों की संख्या में शिकायतें मिल चुकी है। फिलहाल इन सभी शिकायतों को रेलवे को भेजा गया है।

घर पूरा होने पर आतिशबाजी

उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में 10,000 घरों के पूरा होने पर आतिशबाजी की गई। इस समारोह में और घरों के निर्माण के पूरा होने के अवसर पर लोगों ने एक समारोह में भाग लिया। उत्तर कोरिया ने पिछले साल फरवरी में 2025 तक प्योंगयांग में 50,000 नए घरों या 10,000 इकाइयों के निर्माण के लिए पांच साल की परियोजना के तहत निर्माण शुरू करने के लगभग एक साल बाद यह समारोह आयोजित किया। राजधानी में 50,000 फ्लैटों का निर्माण लंबे समय से चली आ रही योजना है जिसे सत्ताधारी पार्टी और राज्य द्वारा नागरिकों को अधिक स्थिर रहने की स्थिति प्रदान करने के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। आर्थिक उपलब्धियों का निर्माण करने और प्रतिबंधों और कोविड-19 सीमा प्रतिबंधों से आर्थिक कठिनाइयों के बीच लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए किम द्वारा आवास परियोजना को संचालित किया जा रहा है। उत्तर कोरिया ने प्योंगयांग में 20,000 नए घरों का निर्माण किया है। पिछले साल, देश ने सोंगसिन और सोंघवा क्षेत्रों में 10,000 अपॉर्टमेंट और 80 मंजिल की गगनचुंबी इमारत का निर्माण किया। उत्तर कोरिया वर्तमान में आवास परियोजना के दूसरे चरण के तहत पूर्वोत्तर प्योंगयांग के ह्वासोंग जिले में फ्लैटों की एक और 10,000 इकाइयां बनाने पर काम कर रहा है।

भाजपा के नेता शेट्टार ने थामा कांग्रेस का दामन

भाजपा पर लगाया अपमानित करने का आरोप

बेंगलुरु ■ एजेंसी

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर नेता जगदीश शेट्टार सोमवार को यहां औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। श्री शेट्टार ने रविवार को भाजपा का दामन छोड़ दिया था।

श्री शेट्टार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मुझे उस पार्टी से जबरन बाहर निकाला गया जिसे मैंने बनाया था। मैं कांग्रेस की विचारधारा और सिद्धांतों को स्वीकार करते हुए उसमें शामिल हो रहा हूं।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार और विपक्ष के नेता सिद्धारमैया ने उनका स्वागत किया। श्री शेट्टार सोमवार सुबह बेंगलुरु में कांग्रेस कार्यालय पहुंचे।श्री शिवकुमार ने कहा कि जगदीश शेट्टार की ओर से कोई मांग नहीं की गई है, हम उन्हें कुछ भी नहीं दे रहे हैं। उन्हें (जगदीश शेट्टार) पार्टी के सिद्धांतों और नेतृत्व के अनुसार चलना होगा। हम देश को एकजुट रखना चाहते हैं और इसे केवल कांग्रेस ही ऐसा कर सकती है। इस बीच रविवार को प्रदेश भाजपा नेता बी एस येदियुरप्पा ने विधान चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने के बाद पार्टी छोड़ने के श्री शेट्टार के फैसले की कड़ी आलोचना की थी।

भाजपा की 10 प्रत्याशियों की तीसरी सूची जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की। 10 उम्मीदवार शामिल हैं। हुबली-धारवाड़ सेंट्रल सीट से महेश तेंगिनाकाई को मैदान में उतारा, जहां से अब पार्टी छोड़ चुके पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार विधायक रहे थे। भाजपा ने राज्य की 224 विधानसभा सीट में से 222 पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। कर्नाटक के कई विधानसभा क्षेत्रों में टिकट न मिलने से नाराज उम्मीदवारों की बगावत ने भाजपा के नेतृत्व को सकते में डाल दिया है।

जाति जनगणना पर कांग्रेस ने तेज की मुहिम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जातिगत जनगणना के मुद्दे पर मुहिम तेज करते हुए कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए बड़ा दांव चल दिया है। रविवार को कर्नाटक में राहुल गांधी ने पीएम मोदी को 2011 में यूपीए सरकार के समय हुए जाति जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक करने की चुनौती दी तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर जातिगत जनगणना करवाने की मांग कर डाली। कांग्रेस ने नारा भी दिया है 'जितनी आबादी, उतना हक'।

ओबीसी के मुद्दे पर राहुल गांधी का पलटवार: मोदी सरनेम पर टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी को हुई सजा के बाद भाजपा इसे ओबीसी का अपमान बता कांग्रेस को घेर रही थी। अब कर्नाटक के कोलार में पलटवार करते हुए राहुल गांधी ने कह दिया है कि यदि पीएम मोदी जाति जनगणना के आंकड़े नहीं बताते तो यह ओबीसी का अपमान होगा। राहुल गांधी ने एससी, एसटी को आबादी के अनुपात में आरक्षण देने और आरक्षण पर 50 फीसदी की अधिकतम सीमा को खत्म करने की मांग भी कर डाली।

कर्नाटक चुनाव में आरक्षण फैक्टर: कर्नाटक चुनाव में बीजेपी ने एससी, एसटी आरक्षण बढ़ाने का दांव चला है। इसकी काट में कांग्रेस आबादी के मुताबिक, आरक्षण की बात कर रही है।

जाति जनगणना के सहारे विपक्षी एकजुटता

जाति जनगणना के मुद्दे पर विपक्षी एकजुटता की नींव भी डालने की कोशिश की जा रही है। जातिगत जनगणना का मुद्दा विपक्षी गठबंधन के साझा न्यूनतम कार्यक्रम में काफी अहम रहने वाला है। सूत्रों के मुताबिक, बीते दिनों नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के साथ खरगे और राहुल गांधी की मुलाकात में भी इसको लेकर चर्चा हुई। नीतीश सरकार बिहार में जातिगत जनगणना करवा रही है। अखिलेश यादव जैसे ओबीसी नेता भी इसके पक्ष में हैं। जाहिर है यह मुद्दा कई गैर बीजेपी दलों को साथ ला सकता है।

चार सैनिकों की हत्या के आरोप में सेना का जवान हिरासत में

बठिंडा, (एजेंसी)। पंजाब के बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में चार सैन्यकर्मियों की हत्या के मामले में पुलिस ने सेना के जवान देसाई मोहन को हिरासत में लिया है।

बठिंडा मिलिट्री स्टेशन गोलीबारी

हत्याकांड के दिन 12 अप्रैल को घटना के चश्मदीद गनर देसाई मोहन ने मेजर आशुतोष शुक्ला को बताया था कि उसने दो लोगों को उस बैरक से बाहर आते देखा है, जहां जवान शहीद हुए थे। उसने बताया था कि दोनों नकाबपोश सैन्य थाने के अंदर वन क्षेत्र की ओर भाग गए थे। पांच दिन की पुलिस जांच के दौरान यह बात सामने आई कि चारों कर्मी देसाई मोहन को परेशान कर रहे थे और उसने उनकी हत्या कर दी।

हेट स्पीच: भाजपा नेताओं पर दर्ज हो एफआईआर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने माकपा नेता बृंदा करात द्वारा दायर याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। इस याचिका में 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान कथित रूप से नफरत फैलाने वाले भाषणों के लिए भाजपा नेताओं अनुराग ठाकुर और परवेश वर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई थी।

जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की पीठ ने शहर की पुलिस को नोटिस जारी किया और तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा। सुनवाई के दौरान पीठ ने पाया कि प्रथम दृष्ट्या मजिस्ट्रेट का यह कहना कि दोनों भाजपा नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए मंजूरी की आवश्यकता है, सही नहीं था। पिछले साल 13 जून को, दिल्ली हाईकोर्ट ने माकपा नेताओं बृंदा करात और केएम तिवारी द्वारा भाजपा के दो सांसदों के खिलाफ उनके कथित घृणास्पद भाषणों के लिए दायर याचिका को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा था कि कानून के तहत मौजूदा तथ्यों में एफआईआर दर्ज करने के लिए सक्षम प्राधिकारी से मंजूरी लेनी जरूरी है। याचिकाकर्ताओं ने ट्रायल कोर्ट के समक्ष अपनी शिकायत में दावा किया था कि ठाकुर और वर्मा ने लोगों को उकसाने की कोशिश की थी। जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली में दो अलग-अलग विरोध स्थलों पर गोलीबारी की तीन घटनाएं हुईं।

बृंदा करात की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को जारी किया नोटिस

महिला को स्वर्ण मंदिर में प्रवेश से रोका गया

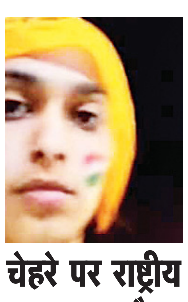

चेहरे पर राष्ट्रीय ध्वज का टैटू

अमृतसर, (एजेंसी)। एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के कर्मचारी चेहरे पर राष्ट्रीय ध्वज के टैटू वाली महिला पर्यटक को स्वर्ण मंदिर में प्रवेश करने से रोक रहे हैं, स्वर्ण मंदिर को हरमंदिर साहिब के नाम से भी जाना जाता है।

महिला ने दावा किया कि उसे तिरंगा टैटू की वजह से प्रवेश से वंचित कर दिया गया था। जिस सेवादार, एसजीपीसी कर्मचारी ने प्रवेश से इनकार कर दिया था, जब महिला ने कहा कि यह भारतीय ध्वज है तो उसे कथित तौर पर यह कहते हुए सुना गया कि यह पंजाब है, भारत नहीं। 40 सेकंड के वीडियो क्लिप में महिला के साथ गए दो लोगों को गार्ड से यह कहते सुना जा सकता है कि क्या स्वर्ण मंदिर भारत में नहीं है? यह पूछे जाने पर कि महिला को पवित्र मंदिर में प्रवेश की अनुमति क्यों नहीं दी गई, उन्होंने महिला के चेहरे पर बनाए गए ध्वज की ओर इशारा किया।

तेजी से बढ़ रहे हैं कोरोना के मामले

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में एक बार फिर तेजी देखी जा रही है। एक बार फिर से टेंशन बढ़ गई है। कोरोना संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। इन दिनों नए संक्रमित मरीजों की संख्या औसतन 10,000 से ज्यादा आ रही है। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 10,093 नए मामले सामने आए हैं, जबकि अलग-अलग राज्यों से कुल 19 मौतों की जानकारी मिली है। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या 57,542 हो गई है। महाराष्ट्र में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 660 नये मामले दर्ज के गए है। इस दौरान 2 लोगों की मौत की खबर सामने आई है।

पिछले 24 घंटों में 10,093 नए मामले मिले , 19 की मौत

बढ़ रही है संख्या: देश में रोजाना संक्रमण की दर भी 5.61 फीसदी हो गई है, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 4.78 फीसदी है। देश में पिछले 24 घंटे में 19 कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत हो गई है। अब तक कुल 5,31,114 संक्रमित मरीजों की मौत हो चुकी है। फिलहाल मृत्यु दर 1.19 फीसदी है।

सूडान में संघर्ष जारी 97 लोगों की मौत

खार्तूम, (एजेंसी)। सूडान की राजधानी खार्तूम में सतत तीसरे दिन संघर्ष जारी है जिसमें मृतक संख्या बढ़कर 97 हो चुकी है, जबकि 1,100 से अधिक नागरिक घायल है। सूडान की तनावपूर्ण स्थिति को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदायों में व्यापक चिंता है, यूएन, अफ्रीकी संघ, अरब लीग और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने तत्काल संघर्ष विराम करने का अह्वान किया है। खार्तूम और अन्य शहरों में सूडानी सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच शनिवार को हिंसक झड़प हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर संघर्ष शुरू करने का आरोप लगाया। उत्तरी सूडान में बुधवार से दोनों सैन्य बलों के बीच तनाव बढ़ गया, क्योंकि आरएसएफ ने सैन्य वाहनों को सैन्य हवाई अड्डे के पास स्थानांतरित किया जिसे सेना अवैध मानती है।

सूडान में तनाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदायों में चिंता

सूडानी सेना व आरएसएफ के बीच गहरे मतभेद हैं, विशेष रूप से सेना में उनका एकीकरण करने के बारे में जैसा कि पांच दिसंबर, 2022 को सैन्य च नागरिक नेताओं के बीच करार के माध्यम से निर्धारित किया गया है।

असम सरकार का बड़ा फैसला

आपातकाल के दौरान जेल गए लोगों को हर महीने मिलेगी 15000 रुपये की पेंशन

गुवाहाटी। असम सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि वह आपातकाल के दौरान जेल में बंद 300 से अधिक लोगों को 15,000 रुपये मासिक पेंशन देगी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने कहा कि राज्य सरकार आपातकाल के दौरान जेल में बंद लोगों को लोक तंत्र सेनानी मानती है। सिंघल ने कहा, लोकतंत्र के प्रति उनके योगदान को पहचानने के लिए, असम कैबिनेट ने आज 301 लोगों को मासिक पेंशन देने की मंजूरी दी। उन्हें प्रति माह 15,000 रुपये मिलेंगे। यदि व्यक्ति नहीं है, तो उसकी पत्नी को राशि मिलेगी और यदि दोनों की मृत्यु हो गई है उनकी अविवाहित बेटी को यह राशि मिलेगी।÷ सिंघल ने दावा किया कि भारत में कई राज्य आपातकाल के दौरान जेल में बंद लोगों को पेंशन दे रहे हैं, लेकिन असम द्वारा दी जाने वाली राशि सबसे अधिक है। आपातकाल तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा 1975 से 1977 तक 21 महीने की अवधि के लिए लगाया गया था। कैबिनेट के अन्य फैसलों के बारे में बात करते हुए पर्यटन मंत्री जयंत मल्ला बरुआ ने कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को खत्म करने के लिए गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। उन्होंने कहा, कई संयुक्त क्षेत्रीय समितियां थीं और वे कई महीनों से सीमा विवादों पर चर्चा कर रही थीं।

बारामुला में छह तस्करों को किया गया गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोमवार को बारामुला जिले में छह मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार करने और उनके पास से चरस और ब्राउन शुगर बरामद करने का दावा किया।

पुलिस ने कहा कि उसने कछवा मुकाम चंदूसा में जांच के दौरान वागूरा निवासी आमिर हुसैन डार नामक तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके पास से 50 ग्राम चरस बरामद करके उसे हिरासत में लिया गया। एक अन्य तस्कर फिरोजपोरा तंगमार्ग निवासी परवेज अहमद लोन को नियमित जांच के दौरान फिरोजपोरा तंगमार्ग में 30 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया गया।

चार किलो डोडा चूरा मिला

पुलिस ने गोशबुग निवासी अब्दुल हमीद नजर को भी मादक पदार्थ की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया, वह दुर्हामा से क्रीरी जा रहा था और पुलिस को देखते ही भागने का कोशिश की लेकिन उसे पकड़ लिया गया। उसके बैग की तलाशी में चार किलोग्राम प्रतिबंधित डोडा चूरा और एक ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई।

साख | भारत की अध्यक्षता में जी-20 देशों की हो चुकी हैं सौ बैठकें

जी-20 की अध्यक्षता में तय हुई आधी यात्रा

देश के 28 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के 41 शहरों के 60 स्थानों पर आयोजित की गई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत की अध्यक्षता में जी-20 देशों की सौ बैठकें हो चुकी हैं और ये बैठकें देश के 28 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के 41 शहरों के 60 स्थानों पर आयोजित की गयीं जहां मेहमान देशों के प्रतिनिधियों को भारत की सांस्कृतिक एवं सामाजिक विविधता के साथ साथ आर्थिक विकास को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने का मौका भी मिला। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सोमवार को वाराणसी में जी-20 की सौवीं

बैठक, कृषि प्रमुख वैज्ञानिकों (एमएसीएस) की बैठक की मेजबानी के साथ अपनी जी-20 अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मना रहा है। गोवा में दूसरा स्वास्थ्य कार्यसमूह, हैदराबाद में दूसरा डिजिटल इकोनॉमी कार्यसमूह और शिलांग में स्पेस इकोनॉमी लीडर्स प्रीकर्सर मीटिंग भी आज आयोजित की जा रही है।

1 दिसंबर 2022 से शुरू हुई बैठक

गत वर्ष 16 नवंबर को जी-20 बाली शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जी-20 की अध्यक्षता सौंपी गई थी। अध्यक्षता सौंपे जाने के बाद, भारत की साल भर चलने वाली जी-20 अध्यक्षता 01 दिसंबर, 2022 को शुरू हुई और 30 नवंबर, 2023 तक जारी रहेगी। इससे पहले 8 नवंबर, 2022 को प्रधानमंत्री ने जी-20 का प्रतीक चि्रन को जारी किया था और भारत की जी-20 अध्यक्षता की थीम - 'वसुधैव कुटुम्बकम' यानी - 'वन अर्थ. वन फैमिली. वन फ्यूचर' का अनावरण किया था। जी 20 लोगो को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रंगों में डिजाइन किया गया, जो हमारे पृथ्वी-समर्थक दृष्टिकोण और चुनौतियों के बीच विकास का प्रतीक है। जी-20 समूह में 19 देश (अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य शामिल है।

डीएवी शताब्दी कॉलेज में बीकॉम पास तथा एमकॉम विभाग द्वारा वेल्थ क्रिएशन पर आधारित व्याख्यान का आयोजन

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डीएवी शताब्दी कॉलेज के बीकॉम पास तथा एमकॉम विभाग द्वारा 12 अप्रैल 2023 को एक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसका विषय था अ जरनी टू वेल्थ क्रिएशन थ्रू म्युचुअल फंड्स एंड स्टॉक एक्सचेंज। व्याख्यान की संयोजिका डॉ अर्चना भाटिया तथा डॉ रुचि अरोड़ा थीं। व्याख्यान में 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता सीए श्री पंकज गोयल तथा सीए श्री गौतम गोयल थे। श्री पंकज गोयल ने शेयर बाजार में ऑनलाइन व्यापार तथा नियोजन पैटरनो पर चर्चा की। उन्होंने एक अच्छे विनियोजन तथा अच्छे प्रतिफल को अर्जित करने के लिए सुझाव दिए उन्होंने शेयर बाजार तथा म्युचुअल फंड्स के विषय में विस्तार से चर्चा की । श्री गौतम गोयल ने कराधान के नवीनतम सुधारों के विषय में छात्रों को अवगत कराया जो कि एक आम इंसान को पता होने जरूरी हैं। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ अर्चना भाटिया ने छात्रों को सैधांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान अर्जित करने का सुझाव दिया ताकि वे अपने जीवन में सक्षम हो सकें। कार्यकारी प्राचार्या डॉ सविता भगत ने विभाग के प्रयासों की सराहना की तथा विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे पी दलाल ने कष्ट निवारण समिति की बैठक में किया 11 परिवादो का निपटारा

अतुल्य लोकतंत्र/मुकेश बघेल

पलवल। /हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जयप्रकाश दलाल की अध्यक्षता में सोमवार को स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद हॉल, गुरूग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक आयोजित हुई। बैठक के एजेंडे में शामिल 15 परिवादों की सुनवाई करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने 11 मामलों का निपटारा किया जबकि 4 मामलों में अगली बैठक तक अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने बैठक में पहुंचे अन्य लोगों की शिकायतों की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने बैठक में कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश, सुशासन और जवाबदेह प्रशासन के प्रति कृतसंकल्प है। लोगों को बिना किसी भेदभाव के त्वरित न्याय मिले इसके लिए धरातल पर गंभीरता से प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने गांव हरसरू के किसानों द्वारा खेतों में हाईटेंशन तार के लिए पोल लगाने के मामले में संज्ञान लेते हुए हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि नई लाईन के लिए जब भी डिजाईन तैयार किया जाए तो उसमें कृषि योग्य भूमि को जितना संभव हो उतना बचाया

जाए। कृषि मंत्री ने लेजर वैली पार्क के रख रखाव व पार्क में लगे म्यूजिकल फाउंटेन को पुनः शुरू करने की शिकायत पर सुनवाई करते हुए जीएमडीए के अधिकारियों को अगले 15 दिनों में वहां काम शुरू करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी शहर को विकसित करने में पार्क का बड़ा महत्व होता है। ऐसे में गुरुग्राम जैसे महानगर में लेजर वैली जैसे प्रमुख पार्क का रखरखाव व वहां मौजूद सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए प्रमुखता से कार्य करना होगा। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि पार्क के सौंदर्यीकरण में उनके निर्देशों की क्या पालना हुई है यह सुनिश्चित करने के लिए वे स्वयं भी पार्क का मौका मुआयना करेंगे। बैठक में पिछली बैठक से लंबित चले आ रहे एक परिवाद में गांव दरबारीपुर से आए शिकायतकर्ता ने बताया कि गांव की गलियों में सीवर लाइन डालने के दौरान उनकी गली में करीब 150 फुट की दूरी में सीवर लाइन नही डाली गई थी। शिकायतकर्ता ने समिति का धन्यवाद करते हुए कहा कि पिछली बैठक में कृषि मंत्री के निर्देशों के तहत उनकी सीवर लाइन डालने का काम पूरा हो चुका है व मौके पर उनकी गली को पक्का करने का काम भी जारी है। जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने एक शिकायत के संदर्भ में डीसी को निर्देश दिए कि वे एयरफोर्स स्टेशन के पास 900 मीटर के दायरे

व सेक्टर 17 व 18 की डिवाइडिंग रोड पर जो भी सरकारी जमीन है उसका सर्वे करवाकर वहां से कब्जा हटवाना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार सेक्टर 48 स्थित सेंट्रल पार्क टू में बिल्डर द्वारा सिंगल लाइसेंस कॉलोनी में पार्टीशन कर प्रोजेक्ट कन्स्ट्रक्शन करने के मामले में उन्होंने निर्देश दिए कि डीसी संबंधित कॉलोनी का मौका मुआयना कर संबंधित बिल्डर का लाइसेंस, कॉलोनी के लेआउट प्लान चेक करने सहित आरडब्ल्यूए की शिकायतों का भी निवारण करें। 'नगर निगम से जुड़ी शिकायतों के निवारण के लिए 29 अप्रैल को होगा जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक का आयोजन'

कृषि मंत्री ने बैठक के उपरांत मीडियाकर्मियों से हुई बातचीत में कहा कि जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में अधिकांश शिकायतें नगर निगम गुरुग्राम से संबंधित हैं। ऐसे में समिति के सदस्यों ने आमजन की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए नगर निगम से जुड़ी शिकायतों के निवारण के लिए अलग से बैठक करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि यह बैठक 29 अप्रैल को आयोजित की जाएगी जिसमें केवल निगम से जुड़ी शिकायतों की ही सुनवाई की जाएगी। कृषि मंत्री ने बताया कि आज की जिला कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में खुली शिकायतों की सुनवाई करते हुए तत्काल समाधान वाली शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया गया है। वहीं कुछ शिकायतों को अगली बैठक में शामिल करने के लिए कमेटी के पास भेजा गया है। इस बैठक में पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता, सोहना के विधायक संजय सिंह, बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद, डीसी निशांत कुमार यादव, गुरूग्राम की सीपी कला रामचंद्रन, एडीसी एवं एचएसवीपी के प्रशासक हितेश कुमार मीणा, सोहना के एसडीएम प्रदीप सिंह, सीटीएम दर्शन यादव सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी तथा जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति के गैर सरकारी सदस्य उपस्थित रहे।

रमजान का पवित्र पाक महीना भाईचारा और आपसी सोहार्द की मजबूत कड़ीः विजय प्रताप

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। रमजान के पवित्र मौके पर कांग्रेसी नेता और खेल प्रेमी एस रहमान ने दावत का आयोजन किया। यह दावत फरीदाबाद एनआईटी 3 के रोज गार्डन में आयोजित की गई। इस मौके पर विशेष रुप से शहर के गणमान्य लोगों ने भाग लेकर रमजान के पवित्र मौके पर एस रहमान को आने वाले ईद की बधाई दी , दावत में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय प्रताप लखन कुमार सिंगला और जेजेपी जिला अध्यक्ष राजेश भाटिया विशेष रूप से शामिल हुए। गौरतलब है की एस रहमान हर साल रमजान महीने में इसी तरह ईद से पूर्व शहर वासियों को दावत देते हैं और उनके इस दावत में भाईचारे की एक अलग ही मिसाल देखने को मिलती है इसमें हिंदू ,मुस्लिम ,सिख ,ईसाई सभी धर्म के लोग शामिल होते हैं और भाईचारे के विश्वास को और बढ़ाते हुए दावत में भाग लेते हैं । दावत में पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय प्रताप ने कहा कि फरीदाबाद की खांसियत है कि यहां पर सभी धर्म के लोग बड़े ही मिल जुलकर प्यार मोहब्बत से रहते हैं देश में जैसा माहौल दिखाने का प्रयास मौजूदा सरकार कर रही है वैसा जमीं पर कुछ भी नही है। आम जनता प्यार महोब्बत से रहना चाहती है। लेकिन सरकार माहौल को बदलकर नफरत की राजनीति करनी पर उतारू है। रमजान महीना हम सब को भाई चारा, आपसी सोहार्द की मजबूत कड़ी से जोड़ने का काम करता है। इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लखन

कुमार सिंगला ने कहा कि रमजान का पाक महीना जो की हमें अहिंसा, त्याग और बलिदान के बारे में एहसास दिलाता है वही एक दूसरे के धर्म के प्रति विश्वास आदर सम्मान करने की प्रेरणा देता है भाई एस रहमान कांग्रेस सच्चे कार्यकर्ता तो है ही वही खेल प्रेमी भी है ।इस मौके पर एस रहमान ने कहा कि एकता-भाईचारे का संदेश देने वाले इस रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम में पहुंचने पर सभी लोगो का तहे दिल से धन्यवाद करते हैं आपसी सोहार्द की मजबूत कड़ी है रोजा दावत , आप चाहे कितने भी विकास के दावे कर ले लेकिन जब तक आप देश के अंदर भाई चारा कायम नहीं रख सकते तब तक देश आगे नहीं बड़ सकता। इस मौके पर शहर के गणमान्य लोगों ने दावत में भाग लिया।

सरकार दिव्यांगजन की सेवा में निभा रही है अपना दायित्वः राज कुमार मक्कड़

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य दिव्यांगजन आयोग के आयुक्त राजकुमार मक्कड़ ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार दिव्यांगों के हितों को सुरक्षित रखते हुए सरकारी सेवाएं प्रदत्त करने में अपना दायित्व प्रभावी रूप से निभा रही है। वहीं प्रदेश के करीब 10 लाख दिव्यांग जनों को विभिन्न माध्यमों से लाभान्वित करने के लिए सरकार सजग है और जन कल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं से दिव्यांग जनों को जोड़ा जा रहा है। हरियाणा राज्य दिव्यांगजन आयोग के आयुक्त मक्कड़ आज शनिवार को शहर के डीएवी कॉलेज के सभागार में रेड क्रॉस सोसाइटी और नई उड़ान संस्था के तत्वावधान में आयोजित खुला दरबार लगाकर दिव्यांग जनों से सीधा संवाद कर रहे थे। राजकुमार मक्कड ने दिव्यांग जनों से रूबरू होते हुए उपस्थित दिव्यांग जनों को प्रेरित किया कि वे सकारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ते हुए हर क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता को चुनौती के रूप में स्वीकार करके और पढ़ाई पर फोकस रखते हुए अन्य सामान्य जन के रूप में कार्य कर दिव्यांगजनों के लिए अनुकरणीय बनें। ऐसे अनेक उदाहरण समाज में हैं जिन्होंने दिव्यांगजन होते हुए

अपनी कमी नहीं बल्कि अपने आत्मविश्वास के बलबूते दिव्यांग होने के बावजूद अनेक अनुकरणीय कार्य किए हैं। खुला दरबार में आयुक्त राजकुमार मक्कड़ ने बताया कि दिव्यांगजन 1968 टोल फ्री नंबर दिव्यांग जन की सुविधा के लिए शुरू किया गया है, ऐसे में किसी भी रूप से दिव्यांग जन अपनी समस्या अथवा शिकायतें उक्त टोल फ्री नंबर पर दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि समाज कल्याण कार्यालय में दिव्यांगजनों के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किया जाए। आयुक्त राजकुमार मक्कड़ ने कहा कि दिव्यांग होना कोई अपराध नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें दिव्यांगों को समाज की मुख्यधारा में लाने के प्रयास करने चाहिए और उनके साथ समानता और समरसता का व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग जनों को अपमानित करने या धमकाने जैसे मामले में आरोपी को जेल भी हो सकती है। केंद्र सरकार ने दिव्यांगों के अधिकार के प्रति संवेदनशील पहल की है। इसके मुताबिक अब दिव्यांग जनों को अपमानित करने, धमकी देने, पिटाई करने पर छह माह से पांच साल तक की सजा हो सकती है। राजपत्र में प्रकाशित दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम 2016 में इसे लेकर सख्त प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने जन सुनवाई के दौरान लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए कि सरकारी भवनों में दिव्यांगजनों के लिए रैंप की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएं। ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बस स्टेंड व बसों में दिव्यांगजनों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करें।

पलवल पुलिस की सोशल मीडिया पर है पैनी नजर

अतुल्य लोकतंत्र/मुकेश बघेल

पलवल। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक पलवल लोकेंद्र सिंह आईपीसी ने आमजन से यह अपील की है कि सोशल मीडिया पर कोई भी ऐसी पोस्ट ना डालें जिससे किसी व्यक्ति की धार्मिक भावना को ठेस पहुंचती हो या धार्मिक सौहार्द को खतरा पैदा हो। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी तरह का अमर्यादित भाषा, किसी व्यक्ति विशेष, जाति, धर्म संप्रदाय को आहत करने की मंशा से पोस्ट के रूप में कोई भी वीडियो,फोटो या अभिलेख ना डालें। अगर किसी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट डाली गई तो उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी प्रकार की भी कोई गलत अफवाह ना फैलाएं। अगर कोई भी सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाएगा या फिर किसी किसी के धर्म या जाति पर कोई गलत टिप्पणी करेगा तो उस पर पुलिस सख्त एक्शन लेगी। पुलिस की सोशल मीडिया पर पैनी नजर है। लोगों से ये ही अपील है कि समाज में आपसी भाईचारा बनाकर रखें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का प्रयोग सहयोग, आपसी भाईचारे व सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए ही करें।गलत काम करने वालों और शरारती तत्वों की सूचना तुरंत पुलिस

को दें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आने वाले दिनों में ईद का त्योहार भी मनाया जाएगा। इसमें भी लोगों से अपील है कि आपसी भाईचारा का संदेश देते हुए यह त्योहार मनाएं। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यदि आपके आसपास कोई भी असामाजिक तत्व संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत संबंधित थाना या डायल 112 पर इसकी सूचना दें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

अंतरजातीय विवाह करने पर लाभार्थियों को प्रदान की जाती है ढाई लाख रुपए की राशि : उपायुक्त नेहा सिंह

अतुल्य लोकतंत्र/मुकेश बघेल

पलवल। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सामाजिक समरसता अंतरजातीय विवाह शगुन योजना के तहत अंतरजातीय विवाह करने पर नव दंपत्ति को हरियाणा सरकार की ओर से 2 लाख 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इस योजना में अनुसूचित जाति के लड़के या लड़की द्वारा गैर अनुसूचित जाति की लडक़ी या लड़के के साथ विवाह करने पर यह प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री सामाजिक समरसता अंतरजातीय विवाह शगुन योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को उनके संयुक्त बैंक खाते में 1 लाख 25 लाख रुपए की राशि 3 वर्ष के लिए फिक्स्ड डिपोजिट के रूप में जमा करवाई जाती है। इसके साथ-साथ 01 लाख 25 हजार रुपए की राशि उनके बचत बैंक खाते में भी डाली जाती है। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए वर-वधू दोनों भारत के नागरिक होने चाहिए। अनुसूचित जाति से संबंधित लड़का या लड़की हरियाणा राज्य के स्थाई निवासी हो और नवविवाहित जोड़े द्वारा पूर्व में इस योजना के अंतर्गत लाभ न लिया गया हो। वर-वधू दोनों की आयु कानूनन विवाह के योग्य होनी चाहिए। प्रोत्साहन राशि केवल पहले विवाह हेतु ही प्रदान की जाती है। इस योजना का लाभ लेने के लिए लाभार्थी को अपना आवेदन-पत्र विवाह के 3 वर्ष के अंदर-अंदर देना होगा। जिला कल्याण अधिकारी राजबीर शर्मा ने विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए

बताया कि प्रदेश सरकार की अन्य विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र व्यक्ति अंत्योदय भवन में अपना आवेदन कर सकते हैं। अंत्योदय भवन में आवेदक को योजना में आवेदन करने के लिए मात्र 10 रुपए आवेदन शुल्क निर्धारित किया गया है। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के पात्र लोगों से आह्वान किया है कि वे अंत्योदय भवन व उपमंडल स्तर पर स्थापित किए गए अंत्योदय सरल केंद्रों तथा अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर में जाकर निर्धारित शुल्क में आवेदन कर योजना का लाभ उठा सकते है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, मुख्यमंत्री सामाजिक समरसता अंतरजातीय विवाह शगुन योजना के आवेदन ऑनलाइन अंत्योदय भवन व अंत्योदय सरल केंद्र किए जा सकते हैं।

ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन करने वाले ट्रैक्टर ट्रॉली ट्रॉली के 27 काटे चालान

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर विकास कुमार अरोड़ा एवं आईजी ट्रैफिक हरियाणा के निर्देशानुसार डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन के मार्गदर्शन व एसीपी ट्रैफिक विनोद कुमार के नेतृत्व में फरीदाबाद पुलिस ने रॉन्ग लेन तथा रॉन्ग साइड में गाड़ी चलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर गलत दिशा व लेन बदलने वाले 530 वाहन चालकों के चालान काटे गए हैं। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस ने कैंपेसिटी से अधिक सवारी बैठाने वाले फोर व्हीलर, टू व्हीलर, ऑटो चालकों, अंडरएज ऑटो चालकों वा अन्य वाहन चालकों के रॉन्ग साइड व रॉन्ग लेन चालान काटकर उन्हें आर्थिक धन से दंडित किया है। डीसीपी ट्रैफिक के दिशा निर्देश व एसीपी ट्रैफिक के मार्गदर्शन में फरीदाबाद पुलिस ने यह विशेष अभियान चलाया। पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान गलत लाइन में वाहन चलाने वाले 530 वाहन चालकों के चालान काटे जुर्माना लगाया है। जिसमें ट्रैक्टर ट्रॉली चालकों के 27 चालन काटे गए। वाहन चालकों को जागरूक करते हुए पुलिसकर्मियों ने बताया कि गलत दिशा में वाहन चलाने की वजह से सड़क दुर्घटना की संभावनाएं बढ़ जाती है जिसमें कई व्यक्तियों की जान तक चली जाती है। इसलिए सभी वाहन चालक अपनी दिशा तथा अपनी लाइन में गाड़ी चलाएं ताकि अपने तथा अपने साथ चलने वाले दूसरे वाहन चालकों को भी सड़क दुर्घटना से बचाया जा सके। फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा वाहनों पर रिफ्लेक्टर, इंडिकेटर व लाईट चैक किए गए हैं ताकि दुर्घटना के प्रति सचेत रहा जा सके। पुलिस ने चालकों को सड़क सुरक्षा का महत्व बताते हुए यातायात नियमों का अनुसरण करने के लिए जागरूक किया।

सड़क दुर्घटना होने पर, जांच के दौरान कमी पाए जाने वाले विभाग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर की जाएगी कार्रवाईः पुलिस कमिश्नर

बरसात के समय में पानी से होने वाली यातायात समस्याओं का अभी से संबंधित विभाग करे समाधान

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त श्री विकास कुमार अरोड़ा ने आज डीसीपी ट्रैफिक श्री अमित यशवर्धन के कार्यालय में एसीपी ट्रैफिक विनोद कुमार, एसीपी मुनीष सहगल, तीनों जॉनों के ट्रफिक एसएचओ, टीआई, कन्ट्रोल रुम के साथ आरटीओ ,एमसीएफ,एनएचएआई, एफएमडीए, शिक्षा विभाग और स्मार्ट सिटी अधिकारियों के साथ मीटिंग कर रोड जाम, रेड लाईट, पेटोलिंग, रोड क्रॉस , रॉग पार्किंग, रॉन्ग साईड ड्राईविंग के संबंध में यातायात सुधारों को लेकर मीटिंग ली। ट्रैफिक पुलिस तथा रोड सेफ्टी अधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर जाकर नागरिकों, वाहन चालकों, ऑटो यूनियन तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों को यात्रा करते समय सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी दे रही है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस आयुक्त ने सख्त निर्देश दिए है कि सडक पर होने वाली दुर्घटना में जांच के दौरान कमी पाए जाने वाले विभाग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। फरीदाबाद में इंडस्ट्रीज की संख्या बहुत अधिक है जिसकी वजह से फरीदाबाद में वाहनों का आवागमन भी बहुत अधिक होता है। बहुत अधिक फैक्ट्रियां होने की वजह से यहां पर रोजगार के अवसर भी ज्यादा है इसलिए दूरदराज क्षेत्रों से बहुत लोग यहां पर आकर अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं जिसकी वजह से भी सड़क पर यातायात का घनत्व बहुत अधिक हो जाता है। दिन प्रतिदिन बढ़ते यातायात की वजह से शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है जिससे निपटने के लिए फरीदाबाद की ट्रैफिक पुलिस का हमेशा से बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सभी ट्रैफिक अधिकारियों को ऑटो चालको को ऑटो स्टैण्ड पर ही ऑटो खडे करने के निर्देश दिए है। ऑटो को अगर कोई रोड पर रोकता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। ट्रैफिक पुलिस ऑटो यूनियनो के साथ मीटिंग कर निर्देशों का पालन करने की सख्त हिदायत दे। नियमों का पालन न करन पर कार्रवाई रे। एसीपी ट्रैफिक ने बताया कि बरसात के मौसम को देखते हुए यातायात पुलिस द्वारा समस्याओं के निपटारे के लिए अथक प्रयास किए जा रहे है। जिसमें अजरोंदा चौक पर बढते यातायात दवाब को देखते हुये दिल्ली से बल्लबगढ की तरफ जाने वाले सर्विस रोड पर मैट्रो पिलर के साथ दाहिनी तरफ Storm Water Drain बनबाई गई है। मैट्रो पिलरों की बाई तरफ करीब 10/12 फुट जगह खाली पडी है। जिस बारे FMDA Team & NHAI के साथ मिलकर इस बारे Feasibility एवं Possibility चैक कराई जा चुकी है। अजरोंदा चौक पर ऑटो स्टैंड ना होने के कारण यात्रियो को सर्विस रोड पर ही ऑटो रोककर उतारते व चढाते है। जिसकी वजह से जाम की स्थिति बनी रहती है। अतः इस चौक पर 04 ऑटो स्टैंड बनाने जाने का प्रस्ताव रखा गया है। जरोंदा चौक से नीलम फलाईओवर की तरफ जाते समय कार डैकोरेषन मार्किट, अन्य कॉपरिट ऑफिस, शुभम टावर एवं अन्य दुकाने पडती है। जो अजरोंदा चौक आते समय रॉग साईड का इस्तेमाल करते है।

नवाब सैफ अली खान ने ठुकराया जूनियर एनटीआर की फिल्म एनटीआर 30 का प्रस्ताव

जब से जूनियर एनटीआर की फिल्म एनटीआर 30 की घोषणा हुई है, तब से यह फिल्म लगातार चर्चा में है। इस फिल्म के जरिए जाह्नवी कपूर अपना तेलुगू डेब्यू करेंगी और इसकी शूटिंग हैदराबाद में शुरू हो चुकी हैं। बीते दिनों ऐसी चर्चाएं थीं कि निर्माताओं ने अभिनेता सैफ अली खान को एनटीआर 30 में खलनायक की भूमिका के लिए साइन कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है।

कोराताला शिवा के निर्देशन में तैयार हो रही यह फिल्म 5 अप्रैल, 2024 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जो तेलुगु समेत तमिल, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी। गौरतलब है कि एनटीआर 30 को वर्ष की बहुप्रतीक्षित परियोजना के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, अभी तक एनटीआर की 30वीं फिल्म के नाम का खुलासा नहीं हुआ है। दूसरी ओर, एनटीआर 30 के 2 पोस्टर सामने आ चुके हैं।

रिपोर्ट्स की मानें तो मूवी में रोल कमजोर होने की वजह से एक्टर ने अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। हालांकि, जिसको लेकर किसी भी प्रकार का आधिकारिक बयान अब तक सामने नहीं आया है। बता दें कि एनटीआर 30 में तीन विलेन दिखाई देने वाले है। विजय सेतुपति और चियान विक्रम इस मूवी में नकारात्मक भूमिका निभाते हुए दिखाई देने वाले है।

निर्देशक कोराताला शिवा यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं कि एनटीआर 30 सबसे बड़ी और बेहतरीन फिल्म हो। बीते एक वर्ष से वह इस प्रोजेक्ट पर जमकर मेहनत करने में लगे हुए है। मूवी को संगीत से सजाने की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर के कंधों पर है। इसे 5 अप्रैल 2024 को रिलीज करने की तैयारी है। गौरतलब है कि जूनियर एनटीआर को इससे पहले एसएस राजमौली की मूवी आरआरआर में आखिरी बार देखा गया था। हाल ही में मूवी के गाने नाटू-नाटू ने ऑस्कर जीतकर पूरी दुनिया में देश का नाम रौशन कर दिया था।

फिर आई हसीन दिलरूबा, नेगेटिव किरदार में नजर आएंगी तापसी पन्नू

ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रदर्शित हुई तापसी पन्नू की फिल्म हसीन दिलरूबा फिर से चर्चाओं में है। तापसी पन्नू शीघ्र ही इस फिल्म का सीक्वल फिर आई हसीन दिलरूबा लेकर आने वाली हैं। अमूमन रोमांटिक कॉमेडी और इंटेंस रोमांटिक जोनर की फिल्में बनाने वाले बैनर कलर येलो प्रोडक्शन ही इसका प्रोड्यूसर है। यह बैनर हालांकि इस फिल्म से अपनी पहचान क्राइम ड्रामा वाली लव स्टोरी बनाने के तौर पर विकसित कर रहा है। तापसी पन्नू इस फिल्म से पहले बदला में पूरी तरह से नेगेटिव किरदार में नजर आई थी। यहाँ हसीन दिलरूबा में रानी के तौर पर उनका किरदार ग्रे शेड लिए हुए है। शादीशुदा होने के बावजूद उनका किरदार पति के एक परिचित की ओर फिसलता है। फिर किसी का मर्डर होता है। इस बार पार्ट-2 में निर्माताओं ने क्राइम का तड़का रखते हुए कुछ और भी गढने की कोशिश की है।

फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पिछले भाग की कहानी दिल्ली और हरिद्वार में ट्रैवल करती है। इस बार कहानी को आगरा और मथुरा में सेट किया गया है। पिछली बार जहाँ हर्षवर्धन राणे के किरदार के चलते तापसी और विक्रांत मैसी की जिन्दगी में भूचाल आता है। इस बार तकरीबन वैसा काम सनी कौशल के किरदार से होता है। इस बार पुलिस अधिकारी के किरदार में जिम्मी शेरगिल नजर आएंगे। सीआईडी फेम आदित्य श्रीवास्तव भी कुछेक अहम हिस्सो में दिखाई देंगे।

जिम्मी कलर येलो प्रोडक्शन की फिल्मों में लगातार रहे हैं। इस बार उन्हें अहम रोल दिया गया है। वे डीएसपी के रोल में हैं। फिल्म में वे भोजपुरी एक्सेंट में बोलते नजर आएंगे। भोजपुरी फिल्मों के ख्यातनाम सितारे मनोज टाइगर को भी फिल्म में लिया गया है। वो विलेन और कॉमेडियन के तौर पर नजर आते रहे हैं। फिल्म का निर्देशन जयप्रद देसाई कर रहे हैं जो हॉटस्टार के लिए कौन प्रवीण तांबे नामक बायोपिक बना चुके हैं। पिछले दिनों उनकी जी5 पर प्रदर्शित हुई फिल्म मुखबिर को भी काफी सराहना मिली है। उसे उन्होंने शिवम नायर के साथ बनाया था।

फिर आई हसीन दिलरूबा की कहानी मौजूदा समय में ही सेट है, क्योंकि इस फिल्म की शूटिंग में जिन फिल्मों के पोस्टर घर या गली की दीवारों पर इस्तेमाल हो रहे थे, वो हाल के समय की हैं। मिसाल के तौर पर इसी बैनर की आई फिल्म एन एक्शन हीरो के पोस्टर इस फिल्म में यूज हुए हैं।

फिल्म की कहानी आगरा-मथुरा के साथ-साथ नैनीताल में भी ट्रैवल करती है। नैनीताल में मूल रूप से तापसी के सनी कौशल और विक्रांत मैसी के साथ रोमांटिक सीन फिल्माए गए हैं। फिल्म के पिछले भाग में शहर के लैंडमार्क पुल को बार-बार दिखाया गया था, इस बार मथुरा के एक ब्रिज को बतौर किरदार रखा गया है।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स, निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए. इस तरह सेंसेक्स, निफ्टी लगातार दूसरे सत्र में लाल निशान के साथ क्लोज हुए. बीएसई सेंसेक्स 183.74 अंक यानी 0.31 फीसदी की टूट के साथ 59,727.01 अंक के स्तर पर क्लोज हुआ. इसी तरह एनएसई निफ्टी 45.25 अंक यानी 0.26 फीसदी की गिरावट के साथ 17,661.60 अंक के स्तर पर क्लोज हुआ। सेक्टोरल इंडिसेज की बात की जाए तो एफएमसीजी, पावर और इन्फ्रा सेक्टर के शेयरों में बिकवाली देखने को मिली. वहीं, फार्मा और रियलिटी सेक्टर में भी 1-1 फीसदी का उछाल देखने को मिला. इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, पीएसयू बैंक और मेटल सेक्टर में भी 0.5-0.5 फीसदी का उछाल देखने को मिला. बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.5-0.5 फ ीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.25 की तेजी के साथ बंद हुए.

सेंसेक्स पर ये शेयर लुढ़के

पावरग्रिड का शेयर सबसे ज्यादा 2.62 फीसदी टूट के साथ क्लोज हुआ. इसी तरह अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर 1.85 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 1.13 फीसदी, टाइटन का शेयर 1.12 फीसदी और एचडीएफसी का शेयर 0.75 फीसदी की गिरावट के साथ क्लोज हुए. इनके अलावा बजाज फाइनेंस महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, आईटीसी और बजाज फइनेंस के शेयर लाल निशान के साथ क्लोज हुए।

ये स्टॉक बढ़त के साथ हुए बंद

सेंसेक्स पर एचसीएल टेक का शेयर सबसे ज्यादा 1.99 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ. इसी तरह इंडसइंड बैंक विप्रो सन फार्मा मारुति एशियन पेंट्स टाटा स्टील और एसबीआई एनटीपीसी और इन्फोसिस और टाटा मोटर्स के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

शिक्षा प्रणाली की खामियों के कारण बढ़ रही बेरोजगारी

नई दिल्ली। भारत के 117 अरब डॉलर के शिक्षा उद्योग में कारोबार लगातार तेजी से बढ़ रहा है और नए कॉलेजों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। हालांकि इसके बावजूद हजारों युवा भारतीय सीमित या बिना कौशल के स्नातक की डिग्री हासिल कर ले रहे हैं। यह स्थिति विकास के एक महत्वपूर्ण दौर में अर्थव्यवस्था को कमजोर कर रही है।

नौकरी पाने की होड़ में युवा दो-तीन डिग्री पर खर्च कर रहे

भारत में आगे बढ़ने के लिए बेताब कुछ युवा नौकरी पाने की उम्मीद में दो या तीन डिग्री के लिए भी भुगतान कर रहे हैं। वे छोटे अपार्टमेंट भवनों के अंदर या बाजारों में दुकानों के अंदर चल रहे कॉलेजों की ओर आकर्षित होते हैं। राजमार्गों पर संस्थानों के लिए बिलबोर्ड लगे हुए हैं, जिनमें जॉब प्लेसमेंट का वादा किया जा रहा है।

भारत में शिक्षा पर विरोधाभास की स्थिति

यह एक अजीब विरोधाभास है। एक तरफ भारत के शीर्ष प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थानों ने अल्फाबेट सीईओ के सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला जैसे ग्लोबल बिजनेस लीडर्स को तैयार किया है। दो दर्जन से अधिक छात्रों और विशेषज्ञों के अनुसार दूसरी ओर ऐसे हजारों छोटे निजी कॉलेज हैं, जिनके पास नियमित कक्षाएं नहीं हैं, वे कम प्रशिक्षित वाले शिक्षकों को नियुक्त करते हैं, पुराने पाठ्यक्रम का उपयोग करते हैं, और कोई व्यावहारिक अनुभव या नौकरी प्लेसमेंट प्रदान नहीं करते हैं।

डिग्री की लागत और रिटर्न पर विचार करने का बढ़ा चलन

दुनिया भर में, छात्र अब तेजी से बढ़ रही डिग्री की लागत और उसके रिटर्न पर विचार करने लगे हैं। उच्च शिक्षा पर अमेरिका सहित विश्व स्तर पर विवाद बहस शुरू हो गई है। कई लाभकारी संस्थानों को सरकारी जांच का भी सामना करना पड़ा है। फिर भी भारत में शिक्षा क्षेत्र की जटिलताएं तेजी से बढ़ती ही जा रही हैं।

कुछ अनुमानों के अनुसार भारत दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाले देशों में एक है। यहां सरकार नियमित रूप से किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक युवाओं पर अधिक फोकस करती है। प्रतिभा मूल्यांकन फर्म व्हीबॉक्स के एक अध्ययन के अनुसार भारत में सभी स्नातकों में से आधे शिक्षा प्रणाली की खामियों के कारण बेरोजगार हैं।

अडानी समूह पर तेजी से बढ़ रहा कर्ज 1 साल में 21 फीसदी कर्ज में बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में शामिल दिग्गज उद्योगपति गौतम अडानी की कंपनियों पर कर्ज तेजी से बढ़ता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार बीते 1 साल में अडानी समूह पर 21 फीसदी कर्ज बढ़ गया है। कर्ज देने वाले ग्लोबल बैंकों की भागीदारी बढ़कर लगभग एक तिहाई हो गई है। हालांकि, अडानी समूह पर कर्ज बढ़ने के साथ ही कर्ज चुकाने की क्षमता भी बेहतर हुई है।

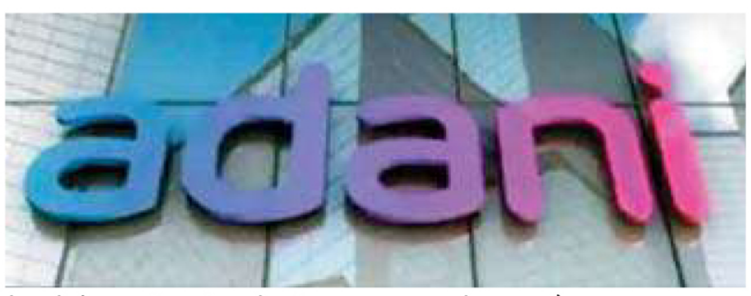

अडानी समूह की वित्तीय सेहत को लेकर ब्लूमबर्ग की जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि अडानी समूह पर एक साल में 21 फीसदी तक कर्ज बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार मार्च तिमाही के अंत में अडानी समूह ने अपना 29 फीसदी कर्ज वैश्विक बैंकों से लिया है। बता दें कि 7 साल पहले तक अडानी समूह को लोन देने वाले बैंकों की सूची में वैश्विक बैंक शामिल नहीं थे।

रिपोर्ट के अनुसार अडानी समूह पर कर्ज तो बढ़ने के साथ ही कर्ज चुकाने की क्षमता भी बेहतर हुई है। अडानी समूह के गुजरात से लेकर ऑस्ट्रेलिया और इजरायल तक कारोबार फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार करने की वजह से अडानी समूह पर निगरानी भी बढ़ी है। बीते जनवरी में अमेरिका की शॉर्ट सेलर कंपनी हिडनबर्ग ने अडानी समूह पर बड़े स्तर पर फ्रॉड में शामिल होने के आरोप लगाए थे, जिसकी वजह से समूह के शेयर्स में भारी गिरावट दर्ज की गई थी। हिडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद समूह को 100 अरब डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा है।

अडानी समूह की लिस्टेड 7 मुख्य कंपनियों का कर्ज मार्च महीने के अंत में 20.7 फीसदी बढ़कर 2.3 लाख करोड़ रुपये हो गया है। अडानी समूह के कर्ज का 39 फीसदी बॉन्ड्स से है, जबकि साल 2016 में यह केवल 14 फीसदी था। वैश्विक बैंकों के अलावा अडानी समूह पर देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई का भारी कर्ज है। एसबीआई का 270 अरब रुपये अडानी समूह पर कर्ज है।

1 लाख से भी कम निवेश करने वाले बने करोड़पति

नई दिल्ली। स्टॉक मार्केट में निवेश करने वाले अक्सर मल्टीबैगर स्टॉक की तलाश में रहते हैं. इसका मतलब ये है कि इंवेस्टर्स ऐसे Stocks की तलाश में रहते हैं जिनमें निवेश से उन्हें लंबी अवधि में जबरदस्त रिटर्न प्राप्त हो. केईआई इंडस्ट्रीज इसी प्रकार का स्टॉक है. इसने पिछले 10 साल में अपने निवेशकों को 16000 फीसदी का रिटर्न दिया है. इस तरह इस स्टॉक ने एक लाख रुपये से भी कम का निवेश करने वाले निवेशकों महज 10 साल में करोड़पति बना दिया है।

10 हजार के बने 16 लाख रुपये

केईआई इंडस्ट्रीज के शेयर में आज से 10 साल पहले 10 हजार रुपये का निवेश करने वाले के निवेश की वैल्यू इस समय 16.10 लाख रुपये हो गई होगी।

मात्र 20 रुपये देकर ले सकते हैं 2 लाख तक का बीमा कवर

केंद्र सरकार गरीब वर्ग के लोगों को सहायता पहुंचाने के लिए कई तरह की योजनाएं चला रही है. देश के कम इनकम वाले या गरीब वर्ग के लोगों के लिए केंद्र सरकार मामूली प्रीमियम पर स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध करा रही है. इसमें हर साल केवल 20 रुपए के प्रीमियम देकर 2 लाख रुपए तक का कवर पा सकते है. केंद्र सरकार के इस हेल्थ इंश्योरेंस को खरीदना भी काफी आसान है. हालांकि, इस हेल्थ इंश्योरेंस का फायदा लेने के लिए कुछ जरूरी शर्तें मानने होगी। नहीं तो आपकी पॉलिसी बंद हो जाएगी।

कैसे करवाएं हेल्थ इंश्योरेंस?

अगर आप बीमारियों के इस दौर में सस्ते में हेल्थ इंश्योरेंस लेना चाहते हैं तो प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है. केंद्र सरकार के इस हेल्थ इंश्योरेंस को खरीदना भी काफी आसान है. प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना को खरीदने के लिए आप अपने नजदीकी बैंक ब्रांच में जाकर ऑफलाइन फॉर्म भरकर आसानी से इंश्योरेंस खरीद सकते है. इसके अलावा आप बैंक मित्र, इंश्योरेंस एंजेट के जरिए भी बीमा खरीदा सकते हैं.

कब कटता है प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का प्रीमियम?

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना लेने के लिए आपको सालाना 20 रुपए का प्रीमियम भरना होता है. यह योजना आपके बैंक खाते से लिंक होगी जिसकी वजह से आपके बैंक अकाउंट से प्रीमियम सीधे अपने आप ही तय तारीख पर कट जाता है. बता दें कि हर साल बैंक खाते से 31 मई को प्रीमियम की रकम ऑटो-डेबिट हो जाता है। इसलिए जरूरी है कि तय तारीख को खाते में बैलेंस रखें।

चेन्नई के मैच में तीसरी बार लगे 33 छक्के, बेंगलुरु में बने कई रिकॉर्ड

बेंगलुरु। आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के मुकाबले में एक साथ कई रिकॉर्ड बने। इस मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 226 रन बनाए और बैंगलोर की टीम इसके जवाब में 218 रन ही बना सकी। इस मैच में कुल 444 रन बन गए। किसी आईपीएल मैच में इससे ज्यादा रन सिर्फ पांच बार बने हैं। वहीं, बैंगलोर के मैदान पर पहली बार किसी एक मैच में इतने पर बने। इससे पहले इसी साल बैंगलोर और लखनऊ के मैच में इस मैदान पर 426 रन बने थे।

चिन्नास्वामी में छक्कों की बरसात

इस मैच के दौरान बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जमकर छक्के लगे। सबसे ज्यादा आठ छक्के ग्लेन मैक्सवेल ने लगाए। चेन्नई की ओर से 17 और बैंगलोर के तरफ से 16 छक्के लगे। मैच में कुल 33 छक्के लगे। किसी भी आईपीएल मैच में इससे ज्यादा छक्के नहीं लगे हैं। हालांकि, इससे पहले भी दो मुकाबलों में 33 छक्के लग चुके हैं और खास बात यह है कि दोनों मैच में चेन्नई की टीम खेल रही थी। 2018 में चेन्नई

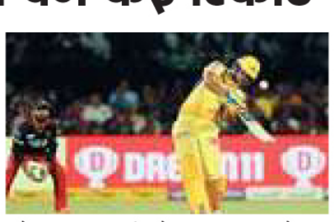

और आरसीबी के मैच में ही इसी मैदान पर 33 छक्के लगे थे। वहीं, 2020 में चेन्नई और राजस्थान के मैच में यूएई के शारजाह मैदान पर 33 छक्के लगे थे।

चेन्नई ने अपना तीसरा बड़ा स्कोर बनाया

चेन्नई सुपरकिंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट खोकर 226 रन बनाए। आईपीएल में यह चेन्नई का तीसरा बड़ा स्कोर था। इस टूर्नामेंट में चेन्नई का सबसे बड़ा स्कोर पांच विकेट पर 246 रन है। यह स्कोर 2010 में राजस्थान के खिलाफ बना था। वहीं, चेन्नई का दूसरा बड़ा स्कोर 240 रन है, जो 2008 में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ बना था। इस मैच में 226 रन बनाने के साथ ही चेन्नई बेंगलुरू के मैदान में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली मेहमान टीम बन गई।

कोहली पर दोहरी मार, टीम की हार के बाद लगा जुर्माना

बेंगलुरु। आईपीएल 2023 का 24वां मैच रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच था। इस मैच में देश को दो दिग्गज क्रिकेटर आमने-सामने थे। चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली की टीमों के बीच हुई जंग में धोनी की चेन्नई हावी रही। धोनी भले ही बल्ले के साथ कुछ खास नहीं कर पाए, लेकिन अपनी टीम को जीत दिलाने में सफल रहे। हालांकि, कोहली के लिए यह मैच भूलने वाला रहा। इस मुकाबले के बाद उन पर दोहरी मार हुई है।

विराट कोहली इस मैच में बल्ले के साथ कुछ खास नहीं कर पाए। वह चार गेंद में छह रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद डिनर करने पर उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल भी किया गया। वहीं, मैच के बाद मैच रेफरी ने उन्हें आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया और मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना भी लगा दिया।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की तरफ से इस मामले पर कहा गया रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बल्लेबाज विराट कोहली पर बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के

लिए मैच फ ीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। कोहली ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया है।

बीसीसीआई की एडवाइजरी में यह नहीं बताया गया है कि कोहली का अपराध क्या था। विराट ने सीएसके के बल्लेबाज शिवम दुबे के आउट होने के बाद आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया था। दुबे ने 26 गेंदों में 52 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली और उन्हें आरसीबी के तेज गेंदबाज वेन पार्नेल ने आउट किया। संभावना है कि विराट को आकामक जश्न की वजह से जुर्माना झेलना पड़ा है।

मुंबई इंडियंस के स्पिनर ऋतिक शौकीन ने कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान नितीश राणा के आउट होने के बाद आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया था और राणा ते साथ मैदान पर बहस भी की थी। इसके बाद उन पर भी ऐसा ही जुर्माना लगाया गया था।

चेन्नई और बैंगलोर के मैच में डेवोन कॉन्वे ने 45 गेंदों में 83 रनों की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे ने 27 गेंदों में 52 रनों की तूफानी पारी खेली। इन दोनों की शानदार बल्लेबाजी के चलते सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 226 रन बनाए। जवाब में आरसीबी की टीम आठ विकेट पर 218 रन ही बना पाई। आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसिस (33 गेंदों में 62 रन) और ग्लेन मैक्सवेल (36 रन पर 76 रन) ने सीएसके को तीसरे विकेट के लिए 126 रन की साझेदारी की, लेकिन अपनी टीम को मैच नहीं जिता सके।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी की मेजबानी करेगा चेन्नई

■ पाकिस्तान और चीन ने टूर्नामेंट में खेलने की अब तक

नई दिल्ली। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी चेन्नई करने जा रहा है। तीन से 12 अगस्त को होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी भारत पहली बार करेगा। टयह लंबे समय बाद है जब ओडिशा की बजाय देश के अन्य किसी स्थान पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए तीन बार के विजेता पाकिस्तान और चीन ने अब तक हामी नहीं भरी है। आयोजकों का कहना है कि पाकिस्तान और चीन टूर्नामेंट में खेलने के बारे में 25 अप्रैल तक बताएंगे। आयोजकों ने कहा कि अगर पाकिस्तान की टीम इस टूर्नामेंट में खेलती है तो उसके लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। तमिलनाडु के खेल मंत्री

उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि चेन्नई में इस टूर्नामेंट के आयोजन से इस क्षेत्र में हॉकी को पुर्नजीवन मिलेगा।

भारत तीन बार जीत चुका है टूर्नामेंट

चेन्नई ने अंतिम बार 2007 में एशिया कप के रूप में अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। तब भारत ने फाइनल में कोरिया को 7-2 से हराकर यह टूर्नामेंट जीता था। भारत इस टूर्नामेंट को 2011 और 2016 में जीत चुका है। 2018 में वह पाकिस्तान के साथ संयुक्त विजेता रहा था। अब तक सात बार यह टूर्नामेंट हो चुका है, जिसमें तीन बार पाकिस्तान जीता है। 2021 में ढाका में हुए इस टूर्नामेंट को कोरिया ने जीता था।

Study finds severe COVID increases risk of THIS life threatening heart complication by 16 times within six months

ATULYA LOKTANTRA

A study published in the European Society of Cardiology, found that people with severe COVID are 16 times more likely to develop ventricular tachycardia within six months."Patients with severe COVID-19 requiring mechanical ventilation are 16 times more likely to develop ventricular tachycardia within six months compared to their peers without severe infection, according to research presented at EHRA 2023, a scientific congress of the European Society of Cardiology (ESC)," an official statement said.

● **What is ventricular tachycardia??**

This is a heart rhythm problem which occurs in the ventricles of the lower chambers of the heart. Medically it is also referred to as V-tach or VT. In ventricular tachycardia, the heart beats 100 or more beats in a minute. Sometimes it causes the heart to stop leading to sudden cardiac arrest.

● **The study included 3,023 patients with severe COVID?**

For the research, a total of 3,023 patients with severe COVID-19 who received mechanical ventilation at a Swedish ICU were studied along with 28,463 individuals from the general population who had not been in an ICU with COVID-19 requiring mechanical ventilation (control group).The average age of the participants was 62 years old and 30% of the participants were women.The participants were monitored for 9 months and a significantly higher number of cases was found in severe COVID patients than others.

● **The risk of other heart complications?**

The researchers found that those with severe COVID also had a 13-fold risk of atrial fibrillation, 14-fold risk of other tachyarrhythmias, and 9-fold risk of bradycardia/ pacemaker implantation.Age, sex, high blood pressure, diabetes, high blood lipids, chronic kidney disease and socioeconomic status (education level, marital status and income) of the patients were analyzed during the study.

● **What are the symptoms of ventricular tachycardia??**

The symptoms that are commonly seen in patients during ventricular tachycardia are chest pain, dizziness, palpitations, lightheadedness and shortness of breath.Usually ventricular tachycardia lasts for 30 seconds but in serious condition the patient can lose consciousness, faint and can even have a cardiac arrest.

● **When should you visit a doctor??**

“COVID-19 patients who need mechanical ventilation often have other conditions and adding a heart rhythm disorder may lead to worsened health. These patients should seek medical attention if they develop palpitations or irregular heartbeats after hospital discharge so they can be evaluated for possible arrhythmias," study author Dr. Marcus Stahlberg of the Karolinska Institute, Stockholm, Sweden said.

Weak eyesight? Eat these 5 foods to improve your vision

ATULYA LOKTANTRA

A weak eyesight can be caused by multiple factors such as stress, consistent exposure to screens, old age, lack of sleep and so on. A poor diet is associated with vision loss for older adults. On the other hand, eating a well-balanced, healthy diet can help to keep your eyes healthy, improve your vision and help in reducing your risk of developing eye conditions.

● **Fish**

Fish, particularly salmon, can be great for your eyesight. Fish is rich in omega-3 fats, which are healthy fats that contribute to healthy vision. Eating fish can help prevent dry eyes and keep your retina (in the back of the eye) healthy.

● **Almonds**

Almonds are great for your eye health. These are rich in vitamin E, which helps in guarding your eyes against unstable molecules that target healthy tissue. Consuming regular amounts of vitamin E can help protect your eyes from age-related macular degeneration as well as cataracts. You can enjoy almonds as a snack at any time of the day. Ensure you do not consume too many almonds on a single day as that can equate to too much cholesterol.

● **Eggs**

Eggs have essential nutrients for your eyes, such as vitamin A, lutein, zeaxanthin, and zinc. Vitamin A safeguards the cornea, which is the surface of the eye. Lutein and zeaxanthin lower the risk of getting serious eye problems. Zinc also contributes to the health of the retina and helps the eyes see at night.

● **Carrots**

Carrots are another healthy food for your eyes, bring an incredible source of vitamin A and beta carotene, which promote good eye health. Vitamin A and beta carotene help protect the surface of the eye and prevent eye infections and other serious eye conditions. Include carrots in your daily salads, soups and other dishes.

● **Kale**

Kale is a green leafy vegetable, often referred to as Karam Saag in India. Kale is also rich in antioxidants lutein and zeaxanthin, which are also found in eggs. These nutrients may help prevent serious eye conditions. According to health bodies, lutein and zeaxanthin aren’t made in your body, so you have to consume them through your diet. If kale is not easily available, you can substitute it with spinach, which is also a good source of lutein.

Which is the best time to have fruits? Few myths and facts

ATULYA LOKTANTRA

Needless to say, fruits are super nutritious and healthy. Many of us forget adding them to the diet but do not realize that we are depriving our body of the good nutrients fruits have.As it is known that fruits are seasonal which gives us the scope to have different fruits in different seasons.Another interesting fact is that all fruits are of different colors and this means their nutrient content is also different from each other. Hence consuming seasonal fruits throughout the year provides the body with all types of nutrients.Fruits are also rich in antioxidants which slows down the aging process in the body along with several other health benefits. The time of the day when you should eat fruits is a debatable topic.Many health experts say eating fruits the first thing in the morning can break down the sugar properly. Many others say having fruits in the afternoon as a mid meal snack is the best time to have it.Eating fruits during meals interferes with digestion. Since fruits are loaded with fibres it becomes difficult for our stomach to process it together with cooked food.The healthiest way to eat fruits, which is followed by many and supported by many dieticians, is to eat them between meals. These will serve as snacks and will cut down the portion of the meals.In order to have a healthy fruit diet, you need to dispel certain myths associated with this wonder food. Eating fruits closer to meal hours does no major harm. It slows down the digestion a bit.Though it is ideal to eat fruits early in the morning or else in between meals keeping a good amount of gap, if you have no prior gut related issue there is no harm in including a few pieces of fruits in your meals. But make sure to cut down the portion of other carbs accordingly.

Anything that is preserved for longer use might not retain the same nutritional value as the fresh one; the same holds true for fruits as well.To meet the demands of the market, several brands promote dried fruits for usage. While these dried forms of fruits can be used occasionally it should not be considered as a substitute for fresh fruit.

We all know fruits contain natural sugar. This popular myth stems from this fact. Though fruits have sugar, their role in changing the blood sugar level is less impactful. Most of the fruits are on the lower end of the glycemic index which means they do not increase your blood sugar level sharply.

On how those with diabetes should consume fruits in a healthy manner, Shilpa Joshi, Head of Metabolic Nutrition, Fitterfly says, "fruits are good even for a person with diabetes but what is important is to understand how to make a place for them in your diet plan.” Emphasizing on mangoes, as it is the season of the king of fruits, Joshi says, “This is more so in the case of fruit like mango. Fruits must be counted as a carbohydrate in your diet plan and someone with diabetes could take 45 to 60 grams of fruit. It is important to note that mangoes should not be eaten in a meal with other carbs like roti, rice, or potato rather they could be consumed as a snack with nuts like almonds, walnuts or seeds.”“Eat fruits in moderation and be wary of the serving sizes, spacing out the intake during the day.

COVID XBB.1.16: Arcturus heightens the incidence of THESE two symptoms

ATULYA LOKTANTRA

With 27 deaths in one day, COVID's latest variant XBB.1.16 has been drawing the attention of health watchers worldwide. Cases of XBB.1.16 have also been found in the US, but the surge that is seen in India is not seen there.Until now the symptoms of COVID have remained more or less the same. Ever since the Omicron variant of the coronavirus took over the Delta variant, the symptoms have remained similar for all its sub variants along with other factors like low severity and low hospitalization rates.

● **Health experts have noticed a higher trend of two symptoms in case of XBB.1.16?**

Fever, which has always remained a classic symptom of COVID, is a notch higher in case of this new variant. Higher grades of fever are being seen in patients who are infected this time. Pink eye or conjunctivitis is another COVID sign that is being seen commonly these days. Experts say this is particularly seen in children. “For the last 2 days, have started getting pediatric Covid cases once again after a gap of 6 mo! An infantile phenotype seems emerging—treated infants w/ high fever, cold & cough, & non-purulent, itchy conjunctivitis w/ sticky eyes, not seen in earlier waves," Pediatrician Dr Vipin M. Vashishtha had tweeted. Watery eyes, redness, swelling, irritation, itching and discharge are the typical signs of conjunctivitis.

● **Other signs to be careful about?**

Apart from these two symptoms, other signs like dry mouth and ear ache are also seen in infected people these days.Dry mouth feels like thick and stringy saliva which gives a bad breath. It also makes it difficult for the person to swallow.An ear infection after COVID, though not common, but should not be ignored. This is characterized by ear ache, ringing in the ears and since ears help in body balance it also gives the person a feeling of off-balance at times.

● **Symptoms of COVID, reported in previous waves, are still seen in infected people?**

While high fever and conjunctivitis are commonly seen in this COVID surge, other symptoms of COVID which are called as the classic signs of the infection are still being reported.The common symptoms of COVID one should be careful about are: fever or chills, cough, difficulty in breathing, listless or fatigue, body ache, headache, loss of taste and smell, sore throat, runny nose or congested nose, and abdominal discomfort including diarrhea.

● **Are current vaccines effective against Arcturus??**

The recent concern around Arcturus gives rise to a valid question: are the current vaccines effective?There is no scientific evidence that answers this question entirely, but health experts have said that vaccines do provide protection against severe diseases.

● **Recombinant viruses are on rise?**

XBB.1.16 is a recombinant virus and is a sub variant of the XBB. The WHO has three recombinant variants-- XBB, XBB 1.16 and XBF-- under its watch.Dr Vashishtha talks about another recombinant variant called XBC 1.6 in his tweets. "XBB.1.16 & its progenies are still the fastest, but many new variants are fast approaching it. The nearest in growth potential is XBC.1.6-a recombinant of Delta & Omicron, growing quickly in Australia & few other countries," he has said.

● **Prevention is the key?**

One should follow health and cleanliness measures to avoid getting the virus. Wearing masks, sanitizing the hands regularly, disinfecting exposed surfaces in the house, keeping the indoor air fresh and well ventilated can keep you safe from the virus.When one is showing signs of COVID, one should isolate themselves until the infection goes away completely. Special care should be taken when older people and kids are in the house.

Weight loss: Which cardio machine is the best in the gym?

ATULYA LOKTANTRA

Cardio workouts are believed to be the best workouts when it comes to losing weight. We are not discounting the benefits of strength training here but it is a known fact that cardio expedites the weight loss process. But when you enter a gym, you see so many options. From treadmill, elliptical, rowing machine, exercise bike, walking stairs.. We know they are all beneficial in their own way but when you are short on time, you must have wondered which machine should you hop on to get the most in a short time? Here we try to answer As per fitness experts, each cardio machine in the gym has its set of pros and cons. However, they are unique to everyone. Your age, body function, injury, goal, mobility are some factors that should be taken into account while deciding which is the best machine for you and which is the one you should rather skip. As is well known, cardio machines are devised to offer cardiovascular health - which basically means that they spike your heart rate and work on your heart health and also help you build endurance. But there are some that will also help you build strength along with the classic cardio machine benefits. So once you decide whether you want to focus only on cardio workouts or want to combine it with strength training, the answer will be clearer to you.

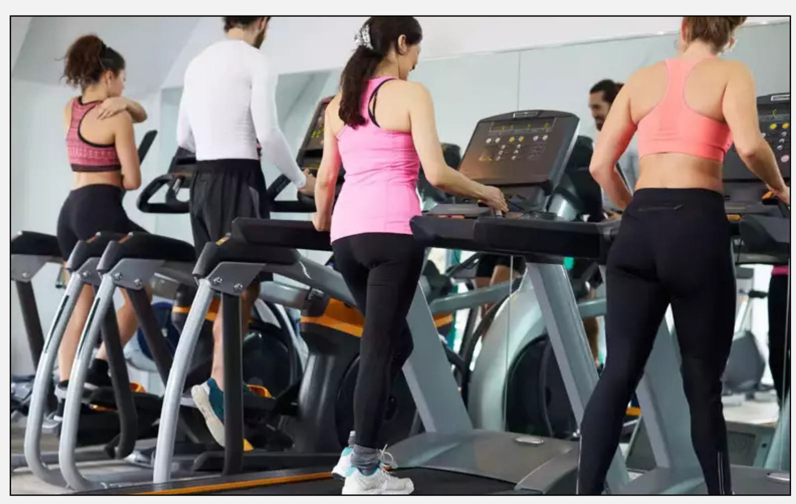

Treadmill

Treadmill builds your cardiovascular health and endurance. It is not a great way to build muscles, but it can help you maintain what you have. It is important to work on your posture while walking or running on the treadmill to avoid falls or injury. It can help you burn fat but walking outside is definitely more joint-friendly.

Stationary bike

Using an exercise bike can help you build your lower body muscles, especially your quads and hamstrings, which basically gives you some strength training benefits too. However, people with weak joints should consider elliptical over this.

Elliptical machine

Elliptical is a great machine for beginners, especially for those who are healing from therapy. But again focus on your posture here, so you maintain your center of gravity on it.

Stair climber

The stair climber is a great machine to work on your glutes, quads as well as calves. It also helps to strengthen your muscles. If done right, it is one of the highest calorie burning machines. People with knee or hip issues should avoid this machine and head to the elliptical instead.

Rowing machine

Once you master the push and pull motion of the machine, it will not only provide cardio benefits but will also help in strengthening your upper and lower body. It is like a total body conditioning machine. Start slow so you gradually rise to the peak.

Sexual health: 5 aphrodisiacs that can help boost your libido?

ATULYA LOKTANTRA

If you are someone who is keen on trying new products to increase sexual drive, here are some natural and healthier suggestions for you.Aphrodisiacs have a rich history of benefits. Several pharmaceutical companies take these foods and their extract to market products by making tall claims.Adding these foods to regular consumption can help increase the sex drive in a healthy way.Please note that if you are on medication or have some other complication, please consult your doctor first before consuming these foods for the purpose of increasing sexual urge:

● **Fenugreek**

Popularly known as methi, fenugreek is very popular in Ayurvedic medicines. While many consider it to be anti-diabetic in nature due to its bitter taste, it is used for libido boosting as well.A small study found that men who consumed 600 mg of fenugreek everyday had an increased sexual arousal than others.It contains furostanolic saponins which increase testosterone production.

● **Saffron**

Saffron is a very popular aphrodisiac and has been in use since several years for its libido-enhancing properties.A study on erectile dysfunction had found that men who consumed 30 mg of saffron every day for a month saw an improvement in erectile dysfunction.

● **Watermelon**

What if we told you that watermelon is a natural viagra! This extremely popular summer fruit has proven records of libido enhancement.Many health experts recommend eating the watermelon rind as most of the nutrients are present in the rind. Several Indian traditional recipes make use of watermelon rinds.

● **Pistachios**

Eating pistachios can help improve erectile dysfunction! Are you surprised by this?A study had found that the antioxidants and arginine present in the pistachios increase vasodilatation which is good for sexual health. These work by reducing the blood cholesterol level and stimulate better blood flow to the organs.

● **Pomegranate**

The delicious anar is an aphrodisiac. The structure of the fruit with tiny little seeds inside signifies fertility, many say.Consumption of pomegranate reduces the level of cortisol, the stress hormone in the body. This stress reducing property of pomegranate enhances the libido of individuals.

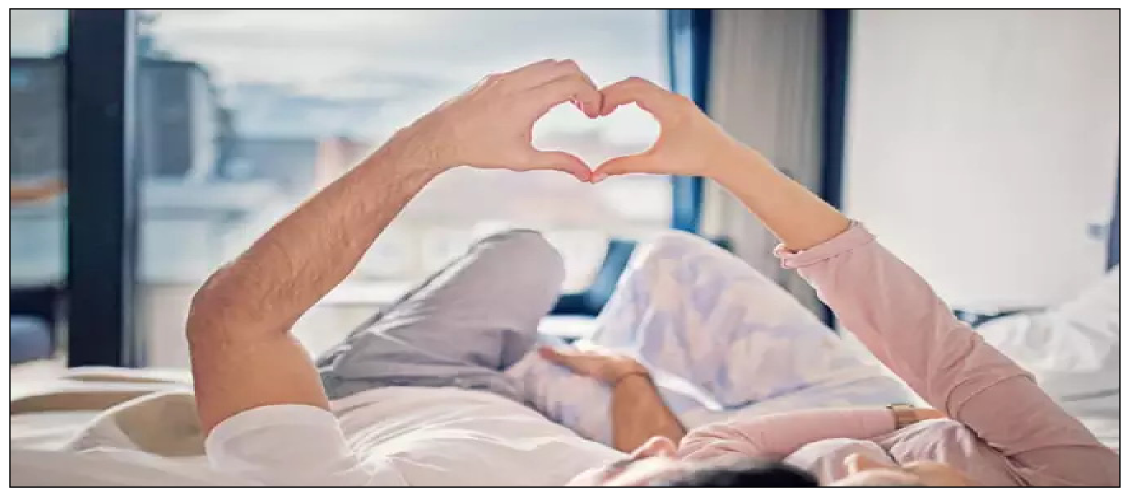

भाजपा सरकार भारत रत्न बाबा साहब के दिखाए रास्ते पर चलकर कर रही है आमजन विकासः मंत्री मूलचंद शर्मा

बल्लभगढ़ में मनाई गई भारत रत्न बाबासाहेब आंबेडकर की 132 वीं जयंती

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक कुमार शर्मा

फरीदाबाद। बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर की 132 वीं जयंती पर भारी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करके सभी को शुभकामनाएं दी। बल्लभगढ़ के अम्बेडकर चौंक पर बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 132वीं जन्म दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के 132वें जन्म दिवस पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने बल्लभगढ़ में भारत रत्न बाबासाहेब आंबेडकर की 132 वीं जयंती महोत्सव लोगों को बधाई

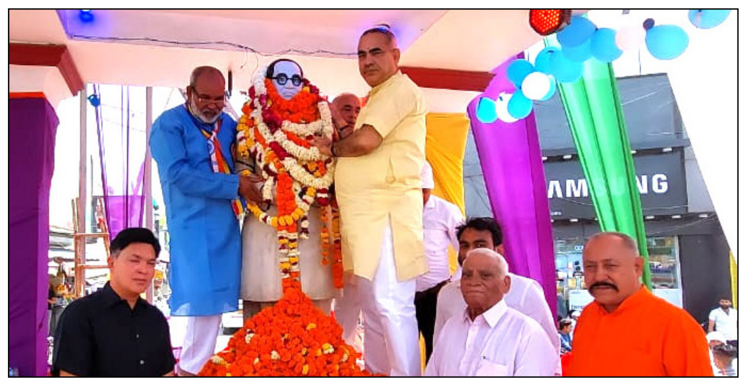

और शुभकामनाएं दी। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने इस अवसर पर भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कहा कि आज देश और प्रदेश में सरकार गरीब और मजदूरों के बच्चों को योग्यता के आधार सरकारी नौकरियां देने का काम कर रही हैं। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल बाबा साहेब के दिखाए रास्ते पर चलकर जनता के बीच में पहुंच कर आज आम जन की समस्याओं को जानने और दूर किए जा रहे हैं। परिवहन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने कहा भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर के पद चिन्हों पर चलकर बच्चे और युवा शिक्षा को भविष्य में आगे बढ़ने के लिए बनाएं अपना मजबूत हथियार, शिक्षा के बल पर ही समाज का उत्थान होता है। परिवहन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने शिक्षा के क्षेत्र को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। देश व प्रदेश में अब योग्यता के आधार सरकारी नौकरियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा आत्मनिर्भर बनने के लिए बच्चों को रोजगार परक शिक्षा दिलाएं। रोजगार परक शिक्षा के बल पर युवा आत्मनिर्भर बनकर खुद के रोजगार के साथ-साथ दूसरे लोगों को भी रोजगार देंगे। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर विधायक पृथला नयनपाल रावत, एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद, भाजपा नेता टीपर चंद शर्मा, जिला परिषद के चेयरमैन विजय लोहिया, जिला पार्षद श्वेता स्नेहा, संस्था के प्रधान भवानी सिंह, प्रभारी गजेंद्र सिंह, पूनम प्रधान सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ज़िला में सार्वजनिक स्थलों पर मास्क लगाना अनिवार्यः उपायुक्त विक्रम सिंह

कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते लिए गया फैसला

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि कोरोना की संभावित लहर के प्रकोप से बचाव के लिए महामारी अधिनियम, 1897 और आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत जिला में सभी लोगों के लिए घरों से बाहर आने की स्थिति में सार्वजनिक स्थलों पर मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते सरकार ने ये फैसला लिया है। बढ़ते कोरोना के मामलों को लेकर जारी पत्र में सार्वजनिक स्थान, सरकारी कार्यालयों, मॉल, बाजार आदि सहित 100 से अधिक लोगों का जमावड़ा होता है या भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मास्क अवश्य लगाएं। उन्होंने बताया कि यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो कोविड-19 के फैलाव को कम करने में मदद कर सकता है। मास्क लगाना कोविड-19 के संक्रमण को रोकने में अत्यंत महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इस संक्रमण का पता नहीं चलता कि यह किसी व्यक्ति में होता है या नहीं। मास्क लगाने से संक्रमण का फैलना कम होता है और इससे लोगों की सुरक्षा बढ़ती है। इसलिए, स्वास्थ्य मंत्री के आदेश का पालन करना बहुत आवश्यक है ताकि हम सभी अपने आसपास के लोगों की सुरक्षा कर सकें। उपायुक्त ने जिले वासियों से कोविड-19 उचित व्यवहार की पालना करने की अपील की।

बाबा साहेब ने अपना पूरा जीवन सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संघर्ष में लगा दियाः गोपाल शर्मा

बाबा साहेब के आदर्शों के अनुरूप सरकार कर रही है गरीबों, शोषितों और दलितों का विकास

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। फरीदाबाद भाजपा जिला कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा जिला पदाधिकारियों ने संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती को धूमधाम से मनाया और बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए । इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री डॉ आर एन सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पंकज रामपाल, भाजपा फरीदाबाद जिला विस्तारक मनजीत सिंह जांगड़ा, जिला मीडिया सह प्रमुख राज मदान, कार्यालय सचिव सचिन गुप्ता, सोशल मीडिया सह -संयोजक हिमांशु मिश्रा, सचेत जैन भाजपा युवा मोर्चा जिला सचिव कृष्ण कुमार आर्य, सीही मंडल महामंत्री सुनील आनंद व अन्य भाजपा कार्यकर्ताओ ने बाबा साहब को अपनी श्रद्धांजलि दी । फरीदाबाद के सभी वरिष्ठ भाजपा नेताओं व जनप्रतिनिधियों केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, विधायक सीमा त्रिखा, नरेन्द्र गुप्ता, राजेश नागर, पूर्व प्रदेश महामंत्री संदीप जोशी, स्थानीय निकाय प्रदेश सह संयोजक देवेन्द्र चौधरी और भाजपा के सभी प्रदेश, जिला और मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा देश के संविधान निर्माता बाबा

साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती को फ़रीदाबाद की सभी विधानसभाओं में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर धूमधाम से मनाई। जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने कहा कि भारत के संविधान निर्माता, चिंतक और समाज सुधारक डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन सामाजिक बुराइयों जैसे- छुआछूत और जातिवाद के खिलाफ संघर्ष में लगा दिया । उन्होंने गरीबों, पिछड़ों, शोषितों औत दलितों के उत्थान के लिए जीवन भर संघर्ष किया । बाबा साहेब अंबेडकर को जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल में भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। 1990 में उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक के सम्मान से सम्मानित किया गया था । देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हरियाणा सरकार बाबा साहेब के आदर्शों और विचारों पर चलते हुए सुशासन की एक नई परिभाषा लिख रही हैं । जनहित और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से शोषित, पिछड़ों और दलितों के लिए बाबा साहेब द्वारा रचित भारत के संविधान के अनुरूप कार्य कर रही हैं और दलितों और शोषितों को सशक्त करने का कार्य कर रही है । भारतीय जनता पार्टी सामाजिक न्याय सप्ताह (6 अप्रैल से 14 अप्रैल) मना रही है जिसके तहत ही आज बाबा साहब की जयंती जिले के सभी मंडलों में उनकी प्रतिमा पर स्वच्छता कर, माल्यार्पण कर एवं पुष्पांजलि कर धूम-धाम से मनाई और कई स्थानों पर तो गोष्ठी कार्यक्रम भी किये गए 7 हम सभी को उनके श्रेष्ठ विचारों का अनुसरण करना चाहिए।

बैसाखी के उपलक्ष्य में हुआ यज्ञ का आयोजन

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डी ए वी शताब्दी महाविद्यालय फरीदाबाद की आर्य समाज इकाई द्वारा बैसाखी के उपलक्ष्य में यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में महाविद्यालय से सेवानिवृत्त हुए प्राध्यापकों के साथ,सभी अध्यापकों तथा गैर शिक्षक कर्मचारियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की कार्यकारी प्राचार्या ने सभी सेवानिवृत प्राध्यापकों का स्वागत किया। उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए बैसाखी पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बैसाखी का त्यौहार मुख्यतः किसानों का त्यौहार है। यह पंजाब और हरियाणा में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस समय रबी की फसल पककर तैयार हो जाती है। इसके अतिरिक्त यह पर्व सिख नववर्ष के रूप में भी मनाया जाता है। आज ही के दिन गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। बैसाखी के शुभ अवसर पर गुरु गोविन्द सिंह और उनके पंच प्यारों को याद किया जाता है और उनके सम्मान में शब्द- कीर्तन किये जाते हैं। उन्होंने देश तथा समाज की रक्षा के लिए लड़ते लड़ते अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। हम सभी को भी सदा समाज की भलाई के लिए कार्य करने चाहियें अपना पूर्ण सहयोग देना चाहिए। अपने बच्चों को भी समाज भलाई के कार्यों के लिए प्रेरित करना चाहिए। स्वामी दयानंद सरस्वती ने भी इस उद्देश्य से ही आर्य समाज और डी ए वी संस्थाओं की स्थापना की थी। यज्ञ के पश्चात श्री अरुण भगत, सेवानिवृत अध्यक्षचर इंग्लिश विभाग द्वारा सभी के

लिए ऋषि लंगर का आयोजन भी किया। सभी शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने ऋषि लंगर ग्रहण किया। इस अवसर पर संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ अमित शर्मा यज्ञाचार्य की भूमिका में रहे। महाविद्यालय से सेवानिवृत्त हुए सभी प्राध्यापक विशेष रूप से इस यज्ञ में शामिल हुए। इनके अतिरिक्त डॉ अर्चना सिंघल, डॉ शिवानी, डॉ प्रिया कपूर, डॉ मीनाक्षी हुड्डा, डॉ सुरभि, डॉ अंकिता, डॉ ललिता ढींगरा आदि प्राध्यापक तथा महाविद्यालय के सभी कर्मचारी इस अवसर पर उपस्तिथ रहे।

बल्लभगढ़ के सेक्टर-3 में लगेंगे दो और नए रैनीवैल ट्यूबवेल

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद/ बल्लभगढ़। प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने आज शुक्रवार को उनके बल्लभगढ़ विधानसभा कार्यालय सेक्टर- 8 पर नगर निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें सेक्टर- 3 की 36 गज की पॉकेट में दो नए ट्यूबवेल लगाने के निर्देश दिए हैं। ताकि गर्मी के मौसम लोगो को परेशानी नहीं आए। प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने अधिकारियों के साथ बैठक में सख्त दिशा निर्देश देते हुए कहा कि गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। इसलिए प्रशासनिक अधिकारियों को पीने के पानी की जरूरत को देखते हुए अलर्ट रह कर कार्य करना होगा। ताकि आम जनता के लिए मीठे पीने के पानी की कमी नहीं रहे। उन्होंने सेक्टर- 3 की 36 गज की पॉकेट में पानी की जरूरत

को देखते हुए 2 नए ट्यूबवेल लगाने और पुराने ट्यूबवलो को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं । परिवहन मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने कहा बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में में पीने के पानी की समस्या न आए। उसके लिए उन्होंने रेनीवेल योजना के तहत लोगो को मीठा पानी देने का काम किया है। इसके अलावा शहर में जगह- जगह जरूरत के मुताबिक ट्यूबवेल लगवाने का काम किया है। इस मौके पर भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा, निगम के एक्सईएन पद्म भूषण, एसडीओ महेंद्र रावत और जेई के अलावा सेक्टर- 3 निवासी रमेश भारद्वाज, नवीन चेची भी मौजूद रहे।

फरीदाबाद के अमृता अस्पताल में चेहरे की गंभीर और दुर्लभ विकृति वाले लड़के की पुनर्निर्माण सर्जरी की गई

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। मीडियन फेशियल क्लेफ्ट सिंड्रोम के साथ पैदा हुए एक चार साल के बच्चे का फरीदाबाद के अमृता अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। यह एक बहुत ही दुर्लभ चेहरे की विकृति है, जो हड्डी और टिश्यू के अनुचित संलयन के कारण मध्य रेखा के माध्यम से चेहरे को वर्टिकली विभाजित करती है। 18 घंटे तक मैराथन ऑपरेशन के दौरान छोटे बच्चे के फीचर्स को वापस लाया गया और उसे एक नई जिंदगी दी गई। बच्चा, जिसके पिता गुरुग्राम की एक मल्टीनेशनल आईटी फर्म में काम करते हैं, चेहरे में मिडलाइन गैप से पीड़ित था, जो त्वचा और कठोर टिश्यू पर मौजूद था और खोपड़ी और मस्तिष्क तक फैला हुआ था। इस गैप के कारण बच्चे की दोनों आंखों के बीच दूरी बढ़ गई थी (ऑर्बिटल हाइपरटेलोरिज्म)। इसके अलावा, होंठ, तालु और नाक के साथ-साथ बेसल एन्सेफेलोसेले पर भी क्लेफ्ट था (मस्तिष्क के ऊतकों की एक थैली जो खोपड़ी के आधार से नाक गुहा में हर्नियेशन कर रही थी)। इन विसंगतियों के कारण दूर देखने की क्षमता, बोलने और खाने से संबंधित समस्याओं और

मनोवैज्ञानिक और सौंदर्य संबंधी जैसी चुनौतियों भी थीं। माता-पिता इस चिंता के कारण बच्चे को घर पर ही पढ़ा रहे थे कि उसे स्कूल में छेड़ा जाएगा या अन्य बच्चे उसका चेहरा देखकर डर जाएंगे। फरीदाबाद के अमृता अस्पताल के प्लास्टिक और रिकंस्ट्रक्टिव विभाग के प्रमुख डॉ. मोहित शर्मा ने कहा, हमारे पास प्लास्टिक और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी का सबसे व्यापक विभाग है, जो सभी क्रैनियोफेशियल विसंगतियों को ठीक कर सकता है। घंटों तक चलने वाली जटिल सर्जरी करने के लिए हमारे पास अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। सर्जरी 10 डॉक्टरों की एक टीम द्वारा की गई थी, उन्होंने आगे कहा कि सर्जनों ने सर्जरी के लिए वर्चुअली और साथ ही शारीरिक रूप से 3 डी प्रिंटेड मॉडल पर नकली सर्जरी के माध्यम से पहले अभ्यास किया। मॉक और वर्चुअल सर्जरी ने उन्हें किए जाने वाले सुधारात्मक उपायों की सीमा की कल्पना करने में सक्षम बनाया। जटिल सर्जरी का नेतृत्व जाने-माने क्रैनियोफेशियल सर्जन अमृता अस्पताल के प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी विभाग के सीनियर कंसलटेंट डॉ. अनिल मुरारका और कंसलटेंट डॉ. अरुण कुमार शर्मा (क्रैनियो-मैक्सिलोफेशियल डिवीजन) ने किया।

बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए फरीदाबाद में 18 अप्रैल को लगाया जाएगा रोजगार मेला

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए फरीदाबाद के एनआईटी- 5 में 18 अप्रैल को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मण्डल रोजगार कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार फरीदाबाद द्वारा 18 अप्रैल को प्रातः 10ः00 बजे सबडिविजनल रोजगार विभाग बडखल द्वारा एनआईटी-5 में सामने जनता बैंड के पार्क के प्रांगण में विशाल एक जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। जहां लगभग 10 औद्योगिक संस्थानों को आमंत्रित किया गया है। इस रोजगार मेले में सभी प्रकार के बेरोजगार प्रार्थियों जैसे मैट्रिक, 12वीं, स्नातक, सक्षम युवाओं को निजी संस्थाओं में समायोजन के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा।

अक्षय तृतीया पर फरीदाबाद में बाल विवाह रोकने को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग अलर्ट

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में अक्षय तृतीया पर फरीदाबाद में बाल विवाह रोकने को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग को अलर्ट कर दिया गया है। इसके लिए प्रशासन और पुलिस के अधिकारी आपसी तालमेल करके आम जनता को जागरूक करने के लिए बेहतर कदम उठा रहे हैं। बता दें कि आगामी 22 अप्रैल यानी अक्षय तृतीया को जिलेभर में मैरिज पैलेस, बैंकेट हाल, धर्मशाला, सामुदायिक भवनों व वाटिकाओ में शहनाई गूंजेगी। कई जोड़े इस शुभ मुहूर्त के पावन बेला पर परिणय सूत्र में बधेंगे। ऐसे में बाल विवाह होने की सम्भावना भी अधिक होती है। जिस कारण से महिला एवं बाल विकास विभाग भी अलर्ट हो गया है। वहीं जिला सरंक्षण व बाल विवाह निषेध अधिकारी श्रीमती हेमा कौशिक ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए विवाह करवाने वाले पुजारियों गांव के पंच सरपंच, बैंकेट हॉल व विवाह वाटिकाओ के संचालकों को आगाह किया है।

धन्यवाद, खुशियों और समृद्धि का कृषि पर्व है वैसाखीः दीपक यादव

विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल घरौड़ा में नन्हें-मुन्हें बच्चों संग धूमधाम से मनाया वैसाखी पर्व

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल घरौडा में शुक्रवार को डा. भीमराव अंबेडकर जंयती के साथ वैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में नर्सरी कक्षा से लेकर तृतीय कक्षा के नन्नें-मुन्हें बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचें बच्चों ने वैसाखी पर्व पर रंग बिरंगी पौशाकों को धारण कर स्कूल के प्रागंण को चार-चांद लगा रहें थे।विद्यालय के चैयरमैन धर्मपाल यादव ने डा. भीमराव अंबेडकर जंयती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज भारतीय संविधान के शिल्पकार, आधुनिक भारत के निर्माता, महान समाज सुधारक, सामाजिक समानता के प्रबल पक्षघर, भारत रत्न बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर की जंयती है। सभी अंबेडकर जी से बहुत कुछ सीख सकते है, लेकिन दो गुण ऐसे है जो हर भारतीय में होने चाहिए। जिसमें समानता के प्रति वह प्रतिबध्द थे, वह हर चीज को समानता की दृष्टि से देखते थे और हर भारतीय में समानता के प्रति भाव बहुत जरूरी है। वहीं डा. बीआर. अंबेडकर बहुत पढ़ते थे और वे बचपन से ही मेधावी छात्र रहे। उनमें ज्ञान की आकांक्षा बहुत अधिक थी। इसी के चलते उन्होंने लगभग 32 डिग्री हासिल की और विदेश से

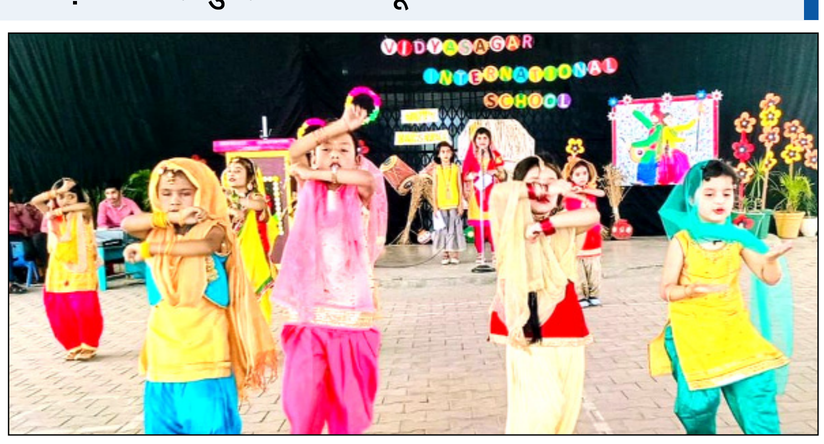

डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की। विद्यार्थी को चाहिए कि वह अपने ज्ञान को अधिक से अधिक बढ़ाने के लिए हर समय जागरूक रहे। ताकि पढ़ा लिखा व्यक्ति पढ़ा लिखा समाज बनाकर खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

इस क्रम में विद्यालय के निदेशक दीपक यादव ने सभी को वैसाखी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज खुशियों और समृद्धि का कृषि पर्व वैसाखी है। सिख समुदाय के लोग वैसाखी को नए साल के रूप में मनाते हैं। इस दिन लोग अनाज की विधिवत पूजा कर ईश्वर को धन्यवाद देते हैं। इसलिए इस पर्व को धन्यवाद दिवस भी कहा जाता है। इसके पश्चात दोस्तों, रिश्तेदारों और करीबियों के साथ मिलकर खुशियां मनाते हैं। साथ ही मिठाइयां बांटकर एक दूसरे का मुंह मीठा करते हैं। वहीं दीपक यादव ने धार्मिक मान्यता के अनुसार आज के दिन की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वैसाखी के दिन ही ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की है। अतः वैसाखी पर्व का विशेष महत्व है। इसी दिन गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। इस लिए सभी को धूमधाम से वैसाखी पर्व मनाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय में पहुंचने वाले अभिभावकों,अध्यापक और अतिथियों का आभार व्यक्त कर प्रसाद वितरण किया।

ग्रे वाटर के प्रोजेक्ट की बारीकी से समीक्षा : सुमन भांकर

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद/डीआरडीए सुमन भांकर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स ग्रामीण के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन किया। जहां स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत किए जा रहे ग्रे वाटर मैनेजमेंट के 22 प्रोजेक्टों की प्रगति रिर्पोट स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत 85 ग्राम पंचायतों में ठोस कचरा प्रबंधन शेड निर्माण, संचालन एवं उनका रखरखाव के बारे में सभी सदस्यों को विस्तार पूर्वक बताया गया। उन्होंने कहा कि कम्पोस्ट के लिए इनमे कम्पोस्ट पिट भी बने हुए है। ग्राम पंचायतों में ग्रे-वाटर मैनेजमेंट के साथ यदि सामुदायिक सोक पिट को प्रोजेक्ट में शामिल किया जाता है। तो ग्राम पंचायतों में सामुदायिक सोक का निर्माण भी किया जा सकता है।

इसके अलावा बैठक में सामुदायिक शौचालयों के रखरखाव, गोवर्धन प्रोजेक्ट तथा फीकल स्लज मैनेजमेंट के प्रोजेक्टों की आवश्यकता एवं प्रगति पर भी विस्तृत चर्चा करके बारीकी से समीक्षा भी की गई । इस बैठक में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राकेश मोर, श्री विक्रम सिंह अरुवा अधिवक्ता, सदस्य जिला स्तरीय टास्क फोर्स, उपेन्द्र सिंह जिला कार्यक्रम प्रबंधक, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण मुख्य रूप से उपस्थित रहें।